दैनिक

राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत उत्तर भारत विशेष कर मालवा जोन (हरियाणा) का एकमात्र दैनिक समाचारपत्र

DAILY BHARAT DESH HAMARA KARNAL

भारत देश हमारा

करनाल

Postal Regd. No. PKL-235/2024-26

www.bharatdeshhamara.com,E-mail-bdhkarnal@gmail.com

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी संपादक - डा.के.के.संधू प्रबन्ध संपादकः सुरेन्द्र सिंह छत्तवाल

PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227 वर्ष 9 अंक 87 सोमवार 30 मार्च, 2026 Monday 30 March, 2026 मूल्य 2/- रूपए , कुल पृष्ठ 8 मोब :9416406615,7404278000,9215537704

केरल में चुनावी दस्तावेज पर बीजेपी की मुहर मामले में चुनाव आयोग का एक्शन

नई दिल्ली, 29 मार्च (निस) केरल में चुनाव आयोग के दस्तावेज पर बीजेपी की मुहर के बाद विवाद खड़ा हो गया था। अब इस मामले में एक्शन लेते हुए केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रत्न यू केलकर ने दो अधिकारियों को हटा दिया है। आयोग ने उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी और एक अनुभाग अधिकारी को (शेष पृष्ठ दो पर)

अगर फिर भाजपा सरकार बनी तो अगले पांच वर्षों में हर घुसपैठिया होगा बाहर - असम में बोले अमित शाह

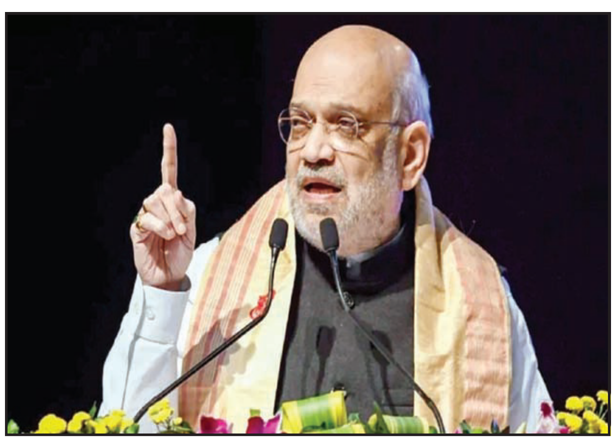

ढेकियाजुली 29 मार्च (निस) गृह मंत्री अमित शाह ने असम के सोनितपुर जिले की ढेकियाजुली विधानसभा में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने भाषण के दौरान उन्होंने असम की सुरक्षा, रोजगार और विकास को मुख्य मुद्दा बनाया। शाह ने जनता से अपील की कि वे केवल मुख्यमंत्री या मंत्री चुनने के लिए नहीं, बल्कि असम को घुसपैठियों से पूरी तरह मुक्त करने के लिए वोट दें।अमित शाह ने स्वीकार किया कि हालांकि पिछले दस वर्षों में नई घुसपैठ को रोकने में सफलता मिली है, लेकिन अभी भी कई अवैध लोग राज्य में मौजूद हैं। उन्होंने संकल्प लिया कि अगर भाजपा तीसरी बार सत्ता में आती है, तो अगले पांच वर्षों में हर घुसपैठिए की पहचान कर उन्हें बाहर निकाला जाएगा। शाह ने कहा कि ये घुसपैठिए असम के युवाओं के रोजगार और संसाधनों पर अवैध कब्जा जमाए हुए हैं।कांग्रेस पर निशाना साधते हुए गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में असम ने केवल बम धमाके और हिंसा देखी थी। इसके विपरीत, पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने असम को आतंकवाद से मुक्त किया है और लगभग 10,000 युवाओं को हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने में मदद की है। उन्होंने कहा कि आज का असम शांति और बड़ी इंडस्ट्रीज की ओर बढ़ रहा है।शाह ने देश की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि कांग्रेस के समय पाकिस्तान से आतंकी आकर धमाके करते थे, लेकिन अब मोदी सरकार है। उन्होंने उरी के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा के बाद एयर स्ट्राइक और पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे आतंकियों का सफाया किया गया। उन्होंने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई से सवाल किया कि क्या वे घुसपैठियों के साथ खड़े हैं या उनके खिलाफ।अमित शाह ने गोपीनाथ बोरदोलोई और भूपेन हजारिका जैसे असम के दिग्गजों का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर उन्हें नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। उन्होंने (शेष पृष्ठ दो पर)

भ्रष्ट पार्टियों को भाजपा से है डर, एनडीए सत्ता में आए तो काले कारनामे उजागर होंगे-पलक्कड़ रैली में बोले पीएम मोदी

एलडीएफ और यूडीएफ पर लगाए भ्रष्टाचार और वोट-बैंक राजनीति के आरोप

तिरुवनंतपुरम 29 मार्च (निस) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को केरल में चुनाव प्रचार की शुरुआत की और पलक्कड़ में आयोजित रैली में एलडीएफ और यूडीएफ पर जमकर हमला बोला। मोदी ने कहा कि दशकों से केरल मतलबी राजनीति के दो मुखौटों के बीच फंसा हुआ है। उन्होंने एलडीएफ को कम्युनिस्ट और यूडीएफ को कांग्रेस का प्रतिनिधि बताते हुए दोनों को भ्रष्ट और वोट-बैंक पॉलिटिक्स का हिस्सा बताया। यहां आयोजित रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कि एक करप्ट, दूसरा महा-करप्ट। एक कम्युनल, दूसरा महा-कम्युनल। इन दोनों पार्टियों की सारी पॉलिसी केवल वोट-बैंक के लिए हैं। इन्हें भाजपा से डर लगता है। यदि हम सत्ता में आएंगे तो इनके सारे काले कारनामों की पोल खुल जाएगी। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर भी निशाना साधा और महिलाओं के शोषण से जुड़े हालिया मामलों का जिक्र करते हुए चेतावनी दी कि जनता सावधान रहे। पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए की सरकार के आने पर केरल में तेजी से विकास होगा और एक डेवलप्ड केरल का सपना साकार होगा। पीएम मोदी ने पलक्कड़ की जनसभा में राष्ट्रीय सुरक्षा और स्थानीय राजनीति को जोड़ते हुए पश्चिम एशिया युद्ध में भारतीयों की सुरक्षा का आश्वासन दिया और कांग्रेस की बयानबाजी की आलोचना की। उन्होंने एलडीएफ और यूडीएफ पर मिले होने का आरोप लगाते हुए केरल में भ्रष्टाचार खत्म कर विकास करने का संकल्प लिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के पलक्कड़ में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा के चुनाव अभियान की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने राज्य की एलडीएफ सरकार और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केरल की जनता अब बदलाव चाहती है और एनडीए का लक्ष्य राज्य के लोगों के सपनों को पूरा करना है। (शेष पृष्ठ दो पर)

अर्थव्यवस्था पर कंगना रनौत की सलाह... राहुल गांधी को ट्यूशन लेने की जरुरत

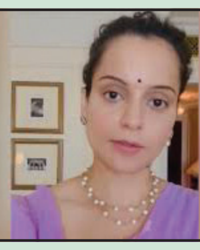

नई दिल्ली 29 मार्च (निस) भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने फिर लोकसभा में अपने आक्रामक तेवरों से सुर्खियां बटोरी हैं। दिवाला और शोधन अक्षमता (संशोधन) विधेयक, 2025 पर चर्चा के दौरान मंडी से सांसद कंगना ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को आड़े हाथों लेकर कहा कि उन्हें देश की अर्थव्यवस्था को समझने के लिए ट्यूशन लेने की जरूरत है। संसद में सदन को संबोधित करते हुए बीजेपी महिला सांसद कंगना ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली पिछली सरकारों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि देश में एक दौर था जब प्रधानमंत्री के कार्यालय से फोन करके बड़े उद्योगपतियों को लोन दिलाए जाते थे। कंगना के अनुसार कांग्रेस काल में बैंकों की रिकवरी दर महज 5 से 20 प्रतिशत के बीच सिमट गई थी। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देकर (शेष पृष्ठ दो पर)

मन की बात में पीएम मोदी ने कहा- युद्ध के बीच जागरुक रहें, बहकावे में न आएं

वैश्विक संकट,ऊर्जा चुनौतियों और अफवाहों पर जताई चिंता,युवाओं,खेल और फिटनेस पर दिया विशेष जोर

नई दिल्ली 29 मार्च (निस) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 132वें एपिसोड में देश को संबोधित करते हुए नागरिकों से सजग और जिम्मेदार बने रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि दुनिया पहले ही कोविड-19 महामारी के कारण लंबे समय तक कठिन परिस्थितियों से गुजर चुकी है और उम्मीद थी कि इसके बाद वैश्विक हालात सुधरेंगे, लेकिन इसके विपरीत कई क्षेत्रों में युद्ध और संघर्ष की स्थिति लगातार बनी हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने खास तौर पर पड़ोसी देशों में जारी भीषण संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका असर केवल उन देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर इसके परिणाम देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में भारतीयों के परिवार और रिश्तेदार रहते हैं, विशेषकर खाड़ी देशों में कार्यरत लोग। उन्होंने खाड़ी देशों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वहां रह रहे एक करोड़ से अधिक भारतीयों की हर संभव मदद की जा रही है।

ऊर्जा संकट पर भारत की तैयारी - प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में संघर्ष चल रहा है, वे भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं के प्रमुख स्रोत हैं। ऐसे में पेट्रोल और डीजल को लेकर वैश्विक संकट की स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत ने पिछले एक दशक में अपने वैश्विक संबंधों को मजबूत किया है, जिससे वह इन चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है।

देशवासियों से एकजुट रहने का संदेश - पीएम मोदी ने इस समय को चुनौतीपूर्ण बताते हुए कहा कि सभी देशवासियों को एकजुट होकर देशहित को सर्वोपरि रखना चाहिए। (शेष पृष्ठ दो पर)

पश्चिम एशिया संकट केबीच एलपीजी गैस लेकर एक और जहाज गुजरात के जामनगर पहुंचा

जामनगर 29 मार्च (निस) पश्चिम एशिया संकट के बीच रसोई गैस (एलपीजी) लेकर एक और जहाज गुजरात के जामनगर में वडीनार बंदरगाह पहुंचा गया है। कांडला बंदरगाह पहुंचने के बाद एमटी जग वसंत जहाज की तस्वीर सामने आई है जिस पर 47,000 मीट्रिक टन लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लदी हुई है। वडीनार बंदरगाह पर लंगर डालकर खड़े जग वसंत जहाज पर से गैस को दूसरी जहाजों में खाली किया जा रहा है। जग वसंत उन दो जहाजों में से एक है जो सोमवार सुबह फारस की खाड़ी से रवाना हुआ था। सूत्रों के हवाले से बताया कि इन मर्चेंट जहाजों को सुरक्षा मुहैया कराने के लिए भारतीय नौसेना के युद्धपोत तैनात थे। एलपीजी टैंकर पाइन गैस और जग वसंत होर्मुज स्ट्रेट (शेष पृष्ठ दो पर)

अमेरिका-इजराइल ने होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरानी शहर पर हमला, 5 मरे, निर्णायक प्रहार जल्द

नई दिल्ली, 29 मार्च (निस) मिडिल ईस्ट में जारी तनाव अब विनाशकारी मोड़ में पहुंच गया है। रविवार सुबह अमेरिका और इजराइल ने होर्मुज स्ट्रेट के पास स्थित एक ईरानी शहर पर हमला किया है। इस हमले में पांच लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा तेहरान में ईरानी सैन्य ठिकानों पर भी हमला हुआ है। मीडिया के मुताबिक रविवार को अमेरिका और इजराइल के हमलों में रणनीतिक होर्मुज स्ट्रेट के पास स्थिति ईरानी शहर बंदर खमीर के घाट पर हमला किया गया, जिसमें पांच आम नागरिकों की मौत हो गई और चार घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट में इजराइली सेना के मुताबिक पूरे ईरान में हमलों की एक और लहर पूरी हो गई है, राजधानी तेहरान में भारी विस्फोटों की आवाजें सुनाई देने के कुछ ही घंटों बाद यह घटना हुई। एक्स पर जारी बयान में आईडीएफ ने दावा किया कि हमलों (शेष पृष्ठ दो पर)

अनियंत्रित होकर कार पलटने से लगी भीषण आग, तीन लोगों की दर्दनाक मौत

बालाघाट 29 मार्च (निस) मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में बैहर-मलाजखंड मार्ग पर एक तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर सड़क से नीचे उतरकर पलट गई। पलटते ही कार में आग लग गई। इस हादसे में कार सवार एक ही परिवार के तीन लोग जिंदा जल गए। मृतकों में एक 3 साल का बच्चा भी है। पुलिस के मुताबिक आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। जानकारी के मुताबिक कार चालक प्रीतम केलकर की पवनी में वेल्डिंग की दुकान है। वह तीन दिन पहले अपनी पत्नी और बच्चे के साथ पोंडी आया था। वह शनिवार देर रात अपने माता पिता को लेकर पवनी लौट रहा था। कार में 8 साल की बच्ची पूर्वी भी थी। शनिवार रात केवलारी चौराहे के पास उनकी ऑल्टो कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इसके बाद कार में आग लग गई। आग इतनी विकराल (शेष पृष्ठ दो पर)

भारत-ईयू ने एमसी 14 एजेंडा के तहत प्रमुख प्राथमिकताओं पर चर्चा की

गोयल ने यूरोपीय संघ के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा आयुक्त से की मुलाकात

नई दिल्ली 29 मार्च (निस)। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कैमरून में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की 14वीं मंत्रिस्तरीय बैठक में यूरोपीय संघ के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविच से मुलाकात की और भारत-ईयू एफटीए पर प्रगति की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने एमसी 14 एजेंडा के तहत प्रमुख प्राथमिकताओं पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी को और गहराने के अवसरों पर भी चर्चा हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गोयल ने नाइजीरिया के उद्योग, वाणिज्य और निवेश मंत्री डॉ. जुमोके ओडुवोले से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि एमसी 14 एजेंडा पर चर्चा की गई और दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने के अवसरों का पता लगाया गया। ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा के साथ एक रचनात्मक बातचीत (शेष पृष्ठ दो पर)

देश के नागरिकों को एकजुट होकर विभिन्न देशों के बीच चल रहे युद्ध की परिस्थितियों का करना होगा सामनाःनायब सिंह सैनी

कुरुक्षेत्र, 29 मार्च (करणदीप सिह): मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई देशों के बीच चल रहे युद्ध की परिस्थितियों से अवगत करवाते हुए देश के नागरिकों से एकजुट होकर कार्य करने की अपील की है। हम अलग-अलग अफवाहों और झूठ पर ध्यान देने की जरुरत नहीं है। ऐसे कठिन समय में भी विपक्षी पार्टियों लगातार अफवाहों और झूठ को फैला रही हैं। ऐसी कांग्रेस पार्टी के लोगों के घरों में लॉकडाउन लगा हुआ है और वो ही ऐसी अफवाहें फैला रहे हैं। उन्होंने प्रदेश के नागरिकों से सरकार द्वारा जारी की जाने वाली जानकारियों के आधार पर फैसला लेने की अपील करते हुए कहा कि देश व प्रदेश में सभी प्रकार की स्थिति सामान्य है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को कुरुक्षेत्र भाजपा जिला कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम सुनने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी, जिला प्रभारी दीपक शर्मा मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कुछ तो झूठ फैलाना ही था। पहले केजरीवाल खुद और अपने नेताओं को ईमानदार बता रहा था, पर देश की जनता के सामने पूरा सच आ चुका है। पंजाब में केजरीवाल की सरकार में नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही है। वहां के किसान, महिला, युवा और गरीब वर्ग सुविधाओं से वंचित है। उन्होंने कहा कि पंजाब के साथ लगते हरियाणा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यहां पर सभी वर्गों को सभी मूलभूत सुविधाओं मिल रही हैं। पंजाब में भी आने वाले समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी को दिल्ली में भी टेंशन थी, अब पंजाब में टेंशन हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले दिल्ली की टेंशन दूर की और अब पंजाब में भी कर दी जाएगी। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जो काम करते हैं, उसमें दिखावा नहीं है। जबकि कांग्रेस व आम आदमी के समय में काम कम और बात ज्यादा होती रही हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों के शासन के समय में आमजन के लिए योजनाएं बनाई जाती थी और वो योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती थी। ऐसे में नुकसान जनता का होता है। ऐसा ही पहले दिल्ली के नागरिक और अब पंजाब के नागरिक खुद को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। वहां की सरकार काम करने की बजाए भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे हालात को पांच साल की टर्म तक कोई कुछ नहीं कर सकता है, पर चुनाव के दौरान उनके साथ हो रहे भेदभाव को जवाब देगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने (शेष पृष्ठ दो पर)

अमेरिका के अनेक शहरों में राष्ट्रपति ट्रम्प की ईरान नीति एवं युद्ध के खिलाफ 'नो किंग्स' विरोध प्रदर्शन किए गए

वाशिंगटन, 29 मार्च (निस) पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष के 30वें दिन प्रवेश करने के साथ ही इसके प्रभाव अब सात समंदर पार अमेरिका की सड़कों पर साफ दिखाई देने लगे हैं। शनिवार को अमेरिका के तमाम छोटे-बड़े शहरों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान नीति और युद्ध के खिलाफ नो किंग्स विरोध प्रदर्शनों की तीसरी लहर देखी गई। लाखों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतरकर युद्ध को तुरंत रोकने, बढ़ती महंगाई पर लगाम लगाने और प्रशासन की कठोर नीतियों में बदलाव की मांग की।यह विरोध प्रदर्शन ऐसे समय में हो रहा है जब ईरान और इजरायल के बीच मिसाइलों और ड्रोनों का हमला तेज हो गया है, जिससे खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भी खतरा मंडरा रहा है। इस युद्ध की तपिश ने न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है, बल्कि अमेरिका के भीतर भी विभाजन और असंतोष की रेखाएं खींच दी हैं। प्रदर्शनों में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों ही विचारधारा वाले राज्यों के नागरिकों ने एकजुट होकर हिस्सा लिया, जो इस आंदोलन की व्यापकता को दर्शाता है।न्यूयॉर्क के मिडटाउन मैनहटन से लेकर सैन फ्रांसिस्को के सिविक सेंटर तक, प्रदर्शनकारियों ने तख्तियों, नारों और गीतों के माध्यम से अपना विरोध दर्ज कराया। जहां एक ओर मैनहटन में लोग ट्रंप प्रशासन की आप्रवासन नीतियों और ईरान संघर्ष के विरुद्ध मार्च कर रहे थे, वहीं सैन फ्रांसिस्को में प्रदर्शनकारियों ने यूक्रेन के समर्थन और मानवाधिकारों के लिए आवाज उठाई। सेंट पॉल, मिनेसोटा में आयोजित एक विशाल रैली ने इस आंदोलन को और मजबूती दी, जहां प्रसिद्ध रॉक कलाकार ब्रूस स्प्रिंगस्टीन ने अपनी प्रस्तुति से लोगों में उत्साह भरा। इस दौरान उन्होंने हाल ही में फेडरल इमिग्रेशन एजेंट्स की कार्रवाई में जान (शेष पृष्ठ दो पर)

पृष्ठ एक का शेष...

भ्रष्ट पार्टियों को भाजपा से है डर, एनडीए सत्ता में आए तो काले...

पश्चिम एशिया युद्ध और भारतीयों की सुरक्षा पर बोले पीएम – प्रधानमंत्री ने दुनिया के मौजूदा हालातों का जिक्र करते हुए कहा कि पश्चिमी एशिया में चल रहे युद्ध पर भारत की पैनी नजर है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार कोशिश कर रही है कि इस युद्ध का भारत पर कम से कम असर पड़े। केरल के कई लोग उन युद्धग्रस्त इलाकों में काम कर रहे हैं, जिनकी सुरक्षा के लिए पीएम खुद वहां के राष्ट्राध्यक्षों से संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के लिए भारतीयों के हितों की सुरक्षा सबसे ऊपर है, जबकि इस मामले पर कांग्रेस की बयानबाजी खतरनाक है।

नारीशक्ति वंदन अधिनियम का किया जिक्र – पीएम मोदी ने महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि पलक्कड़ में कांग्रेस नेताओं ने महिलाओं की चिंताएं बढ़ाई हैं। उन्होंने हाल ही में एक कांग्रेसी नेता के निष्कासन का जिक्र करते हुए कहा कि केरल की महिलाओं को इन पार्टियों की सच्चाई समझनी चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि भाजपा %महिला नेतृत्व वाले विकास% पर विश्वास करती है, जिसके लिए केंद्र सरकार ने %नारीशक्ति वंदन अधिनियम% पास किया है ताकि विधानसभा और संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़े।

केरल के भ्रष्टाचार पर तीखा प्रहार – राज्य की आर्थिक स्थिति पर सवाल उठाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल पर आज 5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज है, जो पिछले 10 साल में तीन गुना बढ़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पैसा विकास के बजाय एलडीएफ की जेबों में गया है। पीएम ने वादा किया कि जब केरल में भाजपा की सरकार आएगी, तो भ्रष्ट लोगों से पाई-पाई का हिसाब लिया जाएगा और उनकी अवैध संपत्ति वापस लेकर राज्य के विकास में लगाई जाएगी।

मन की बात में पीएम मोदी ने कहा- युद्ध के बीच ...

उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह विषय राजनीति से ऊपर है और इससे 140 करोड़ नागरिकों का भविष्य जुड़ा हुआ है।

अफवाहों से सावधान रहने की अपील – प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को आगाह करते हुए कहा कि अफवाहें फैलाने वाले तत्व देश को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे जागरूक रहें और किसी भी भ्रामक सूचना के बहकावे में न आएं। उन्होंने विश्वास जताया कि देश पहले की तरह इस संकट से भी एकजुट होकर बाहर निकलेगा।

युवाओं और खेलों पर विशेष जोर – प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और युवाओं की भागीदारी से राष्ट्र निर्माण को नई दिशा मिलती है। उन्होंने माय भारत जैसे संगठनों और विभिन्न प्रतियोगिताओं में युवाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। खेलों का उल्लेख करते हुए टी-20 विश्व कप और रणजी ट्रॉफी में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धियों को प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह बढ़ रहा है, खासकर महिलाओं की बढ़ती भागीदारी उल्लेखनीय है।

फिटनेस और स्वास्थ्य पर जोर – प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से अपनी जीवनशैली में सुधार लाने की अपील करते हुए कहा कि योग और नियमित व्यायाम को अपनाना जरूरी है। उन्होंने शुगर और खाने के तेल के अत्यधिक सेवन से बचने की सलाह दी, ताकि जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचा जा सके। अंत में उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास और सीखने की इच्छा ही सफलता की कुंजी है, और देश के विकास में हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

केरल में चुनावी दस्तावेज पर बीजेपी ...

उनके मूल विभागों में वापस भेज दिया है। चुनाव आयोग की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि घटना की जानकारी सामने आने के बाद आयोग ने आईएएस अधिकारी से जांच करवाई थी। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी और अनुभाग अधिकारी को उनके चुनाव संबंधी कर्तव्यों से मुक्त कर उनके मूल विभागों में वापस भेज दिया है।बता दें यह विवाद उस समय सामने आया था, जब केरल में राजनीतिक पार्टियों को भेजे गए एक हलफनामे में चुनाव आयोग की जगह बीजेपी की मुहर लगी थी। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने इस घटना को जोर शोर से उठाया था।

सूचना

सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि किसी कारणवश यदि भारत देश हमारा व चड़दीकला समाचारपत्र आपको नियमित रूप से नहीं मिल रहा है तो कृपया नीचे दिए फोन नंबर पर संपर्क करें।
मोब: 9416406615

पाठकों हेतु आवश्यक सूचना

समाचार-पत्र दैनिक भारत देश हमारा करनाल में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों की जिम्मेवारी नहीं लेता। हमारा समाचार पत्र इनको प्रमाणित नहीं करता। पाठकों से निवेदन है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्रवाई करने से पूर्व तथ्यों की पुष्टि अवश्य कर लें।

सूचना

हरियाणा में चढ़दीकला टाईम टीवी न्यूज चैनल,भारत देश हमारा व रोजाना चढ़दीकला पंजाबी समाचार पत्र में पत्रकार बनने तथा विज्ञापन एवं समाचार देने के लिए संपर्क करें।
कार्यालय: 15-ए, माल रोड़
नजदीक अम्बेडकर चौंक, करनाल
मोब: 9416406615

सदा आपके साथ

जन्मदिन,विवाह वर्षगांठ,संयुक्त परिवार और ग्रुप सैल्फी (2 से अधिक)की फोटो हमें भेजें।
नोट:मेल में नाम पता व मोबाईल नंबर जरूर लिखें।
सभी सेवाएं निशुल्क है।
E-mail chardikla.hr@gmail.com
Whatsapp: 9896359037,8307425115

आवश्यक सूचना

दैनिक पंजाबी चढ़दीकला एवं हिन्दी दैनिक भारत देश हमारा समाचार-पत्र में खबरें एवं विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें।
कार्यालय 26 ग्रीनपार्क तहसील टाऊन पानीपत।
मोब: 9215537704,7206600325,7206300081

कृष्ण कुमार सन्धु,सम्पादक,पब्लिशर व श्रीमती सुमन लता प्रिंटर ने दैनिक भारत देश हमारा जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब ,सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह दर्दी से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा, 15-ए,माल रोड, करनाल से प्रकाशित किया(सम्पादक - कृष्ण कुमार सन्धु)
PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227

देश के नागरिकों को एकजुट होकर विभिन्न देशों के बीच चल ...

पत्रकारों के सवाल पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोल व डीजल पर एक्साइज ड्यूटी को कम करके तेल के दामों को कम किया है, जबकि कई देशों के बीच चल रहे युद्ध के दौरान दूसरे देशों ने तेल के दामों में बढ़ोतरी की है। इससे पहले भी जब देश में कोई महामारी या आपदा आई तो उसको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उसका एकजुट होकर सामना किया गया है। कोरोना के दौरान को देश ने दूसरे देशों को वैक्सीन तक मुहैया करवाई थी। अब इस आपदा में भी एकजुट होकर बाहर निकला जाएगा। इस मौके पर चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर, उपाध्यक्ष धूमन सिंह किरमच, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन, जिप चेयरपर्सन कंवलजीत कौर, भाजपा नेता जयभगवान शर्मा डीडी,भाजपा प्रदेश सचिव राहुल राणा, प्रदेश प्रवक्ता रविंद्र सागवान, महिला जिलाध्यक्ष वंदना गौरी, परमजीत कौर कश्यप,नरेंद्र पाल डाबला, जिला उपाध्यक्ष अनु मालयन , देवी दयाल शर्मा , कार्यालय सह प्रभारी सोमपाल राणा, रमेश सैनी, अमन सैनी, दीपक शर्मा,हन्नू चक्रपाणि,सभी जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष आदि उपस्थित रहे।

अनियंत्रित होकर कार पलटने से लगी भीषण...

थी कि उसमें सवार लोगों को कार से बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिला। राह चलते लोगों ने किसी तरह कांच तोड़कर पहले पूर्वी को निकाला, उसके बाद वाहन चला रहे प्रीतम केलकर (30) और उसकी मां नानाबाई केलकर (60) को गंभीर अवस्था में निकाला। हादसे की सूचना राह चलते लोगों ने पुलिस को दी। इसके बाद मौके पर पंहुची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।बैर थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले ने बताया कि डायल 112 पर सूचना मिली कि केवलारी चौराहे के पास एक वाहन में आग लग गई है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। राहगीरों ने किसी तरह तीन लोगों को बाहर निकाला। आग के कारण कार चालक प्रीतम के पिता नगारची केलकर (65), पत्नि सविता केलकर (28), पुत्र अभि केलकर (3) कार के अंदर ही जिंदा जल गए। हादसे की जांच की जा रही है। दुर्घटना संभवत: नींद आने के कारण हुई प्रतीत होती है क्योंकि एक मोड़ के बाद कार सीधे सड़क से नीचे उतर गई और हादसे का शिकार हो गई। कार चला रहा युवक प्रीतम और उसकी मां गंभीर रूप से घायल है। घायलों का अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे का एक वीडियो सामने आया है। इसमें देखा जा सकता है कि कार में जिंदा जल गए लोगों की डेड बॉडी के अवशेष टुकड़ों में निकाले जा रहे हैं।

भारत-ईयू ने एमसी 14 एजेंडा के तहत...

में एमसी 14 एजेंडा, द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत करने और भारत-मर्कोसुर पीटीए के विस्तार पर विचार साझा किए गए। डब्ल्यूटीओ बैठक में महात्मा गांधी के सत्य के सिद्धांत से प्रेरणा लेते हुए भारत ने निवेश सुविधा विकास (आईएफडी) समझौते के विवादास्पद मुद्दे पर अकेले खड़े होने का साहस दिखाया और इसे डब्ल्यूटीओ ढांचे में एनेक्स चार समझौते के रूप में शामिल करने के लिए सहमति नहीं दी। गोयल ने कहा कि आईएफडी समझौते का समावेशन डब्ल्यूटीओ की कार्यात्मक सीमाओं को कमजोर करने और इसके मूलभूत सिद्धांतों को बाधित करने का जोखिम पैदा करता है। डब्ल्यूटीओ सुधार चर्चा के हिस्से के रूप में सदस्य किसी भी विशिष्ट बहुपक्षीय परिणाम को एकीकृत करने से पहले बहुपक्षीय समझौतों के लिए सुरक्षा और कानूनी उपायों पर विचार कर रहे हैं। गोयल ने कहा कि कैमरून में भारतीय समुदाय के स्वागत समारोह को संबोधित करके और हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने की अपार संभावनाओं को उजागर करके मैं बहुत खुश हूं।

अमेरिका के अनेक शहरों में राष्ट्रपति ट्रम्प की ईरान नीति ...

गंवाने वाले एलेक्स प्रेट्टी और रिनी गुड को भावभीनी श्रद्धांजलि भी दी। मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज ने भी संघीय नीतियों की तीखी आलोचना करते हुए स्थानीय समुदायों के साहस की सराहना की। विशेषज्ञों का मानना है कि इन प्रदर्शनों के पीछे केवल युद्ध ही एकमात्र कारण नहीं है, बल्कि देश में बढ़ती ईंधन की कीमतें, आसमान छूती महंगाई और आर्थिक सुस्ती ने भी आग में घी डालने का काम किया है। हालांकि, फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच जैसे कुछ स्थानों पर राष्ट्रपति समर्थकों और विरोधियों के बीच मामूली जुबानी झड़पें हुईं, लेकिन कुल मिलाकर देश भर में ये प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे। जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि वे संघर्ष के बजाय आर्थिक स्थिरता और शांति को प्राथमिकता देते हैं। सरकार के लिए चुनौती अब यह है कि वह इस भारी जन-असंतोष और पश्चिम एशिया के बिगड़ते हालात के बीच कैसे संतुलन बिठाती है।

अर्थव्यवस्था पर कंगना रनौत की सलाह...राहुल गांधी ...

बताया कि कांग्रेस के समय में एनपीए 11.5 प्रतिशत था, जो प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मार्च 2025 तक घटकर मात्र 2.25 प्रतिशत रह गया है। कंगना ने पूर्ववर्ती वित्त मंत्रियों पर निशाना साधकर कहा कि पहले की सरकारों को भारतीयों की क्षमता पर भरोसा नहीं था। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता भारतीयों को अनपढ़ और गंवार समझते थे और डिजिटल भुगतान की सफलता पर संदेह जाहिर करते थे। कंगना के अनुसार, पीएम मोदी ने न केवल बैंकों का सशक्तिकरण किया, बल्कि देश का खोया हुआ आत्मविश्वास भी वापस लौटाया।दरअसल राहुल गांधी द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था की आलोचना करने पर कंगना ने सख्त नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जगह-जगह जाकर देश की अर्थव्यवस्था के बारे में गलत दावे करते हैं। उन्हें इस बात के लिए शर्म आनी चाहिए कि वह वैश्विक मंचों पर भारत की छवि खराब करते हैं। उन्हें वास्तव में अर्थशास्त्र की ट्यूशन दी जानी चाहिए ताकि वह जमीनी हकीकत समझ सकें।

पश्चिम एशिया संकट केबीच एलपीजी गैस लेकर...

को पार करने से पहले सोमवार सुबह फारस की खाड़ी से रवाना हुए। दोनों एक-दूसरे के करीब चल रहे हैं। इन जहाजों पर लदी गैस देश में करीब एक दिन की खाना पकाने की गैस मौजूद है। जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने से जुड़े आंकड़ों से इसकी जानकारी मिली। बहरहाल, सूत्रों का कहना है कि कुछ और जहाजों के जल्द ही भारत पहुंचने की संभावना है।बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया था कि एलपीजी टैंकर पाइन गैस और जग वसंत पर करीब 92,000 टन एलपीजी है। ये दोनों जहाज उन 22 भारतीय झंडे वाले जहाज में शामिल हैं जो युद्ध के बाद फारस की खाड़ी में फंस गए थे।

संवर्धनम् 2026 प्रमोशन डे : प्रयत्नों की सराहना, प्रगति का सम्मान और सफलता का उत्सव

पिंजौर, 29 मार्च (अजीत सिंह, अख्तर फारूखी): सेंट विवेकानंद मिलेनियम स्कूल में संवर्धनम् 2026 (प्रमोशन डे) केवल परिणाम घोषणा का कार्यक्रम न होकर प्रत्येक छात्र की सीखने की यात्रा का सार्थक उत्सव बनकर उभरा। कार्यक्रम का भव्य एवं सुव्यवस्थित आयोजन डॉ. बी. आर. अंबेडकर ऑडिटोरियम में किया गया, जहाँ प्रयास, प्रगति और उपलब्धि के उत्सव की भावना ने अंक और रैंक से आगे बढ़कर निरंतर प्रयास, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने के साहस को महत्व दिया। वंदे मातरम् के सामूहिक एवं भावपूर्ण गायन ने पूरे वातावरण को देशभक्ति और उत्साह से भर दिया। इसके पश्चात जब छात्र मंच पर अपने प्रमोशन कार्ड लेने पहुंचे, तो पार्टी पॉपर्स और धमाकेदार संगीत के साथ उनका भव्य एवं हर्षोल्लासपूर्ण स्वागत किया गया। जिसमें संगीत के साथ उनके नामों का संबोधन भी किया गया। इस दौरान कोल्ड पायरो ने वातावरण में रोमांच और बढ़ा दिया, जिससे पूरा कार्यक्रम और भी उल्लासमय हो उठा। इस विशेष अवसर पर बच्चों ने अपने अभिभावकों के साथ कॉन्वोकेशन परिधान में 360 डिग्री सेल्फी स्टैंड पर पहुंचकर यादगार और आनंदमय क्षणों का अनुभव किया तथा इन सुनहरे पलों को तस्वीरों में संजोया। इस दौरान छात्र और कार्टून कैरेक्टर्स अलग-अलग आकर्षण के रूप में प्रस्तुत हुए—जहाँ छात्रों का उत्साह और ऊर्जा देखने योग्य था, वहीं कार्टून कैरेक्टर्स ने भी पूरे माहौल को और अधिक जीवंत और आनंदमय बना दिया।स्कूल ने बच्चों की अच्छी और भविष्य के लिए उपयोगी शिक्षा देने की अपनी सोच को दिखाते हुए उनकी कौशल विकास गतिविधियों में भाग लेने की भी सराहना की। ट्रांसन्यूरॉन के सहयोग से आईबीएम द्वारा ब्लॉकचेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कोडिंग एवं प्रोग्रामिंग तथा साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों में प्राप्त प्रमाणपत्रों ने छात्रों की नई और उपयोगी कौशलों को दिखाया। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण पेरेंट अप्रिसिएशन कार्ड पहल रही, जिसमें अभिभावकों ने अपने बच्चों के लिए गर्व और प्रोत्साहन से भरे संदेश साझा किए। इस पहल ने भावनात्मक संबंधों को और सुदृढ़ करते हुए छात्रों में आत्मविश्वास का संचार किया। कार्यक्रम में छात्रों ने भी अपने प्रेरणादायक अनुभव साझा करते हुए अपने माता-पिता, शिक्षकों एवं स्कूल के प्रति आभार व्यक्त किया, जिससे पूरे वातावरण में भावनात्मक जुड़ाव और प्रेरणा का संचार हुआ। प्राचार्य डॉ. पीयूष पुंज ने अपने संदेश में कहा कि शिक्षा केवल अंकों तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्मविश्वासी और जिम्मेदार व्यक्तित्व के निर्माण की प्रक्रिया है। उन्होंने अभिभावकों को बच्चों की सराहना करने, सकारात्मक वातावरण देने तथा उन्हें सदैव प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, स्कूल की स्टेम एवं नवीन विचारों पर आधारित शिक्षा के प्रति अपने संकल्प को भी दोहराया। कार्यक्रम का अंत उत्साहपूर्ण संगीत एवं सराहना के माहौल के साथ हुआ, जहाँ उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों ने स्कूल के पोषक वातावरण तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास के प्रति उसके समर्पण की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

विधायक कबीरपंथी ने राईस मिलर्स से की उद्योग से जुड़ी चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा

बोले : जल्द ही सड़कों व अन्य मूलभूत सुविधाओं में कराया जाएगा सुधार

तरावड़ी, 29 मार्च (छाया शर्मा): हल्के के विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने तरावड़ी शहर में राईस मिलर्स से संवाद करते हुए उनके कार्यस्थलों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने आगामी सीजन की तैयारियों और उद्योग से जुड़ी चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। पखाना से नड़ाना रोड स्थित जे.के.जी. राईस मिल में आयोजित बैठक के दौरान राईस मिलर्स ने विधायक के समक्ष सड़कों की जर्जर हालत, परिवहन में आ रही दिक्कतों सहित अन्य समस्याएं प्रमुखता से रखीं। उद्योगपतियों ने बताया कि खराब सड़कों के कारण न केवल परिवहन प्रभावित हो रहा है, बल्कि समय और लागत दोनों पर असर पड़ रहा है। इस अवसर पर उद्योगपति अनिल गर्ग, नरेश गर्ग, मुकेश गर्ग, राजीव नारंग, अमित रहेजा सहित कई गणमान्य मौजूद रहे और सभी ने मिलकर राईस इंडस्ट्री के विकास को लेकर सुझाव साझा किए। विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने कहा कि तरावड़ी की राईस इंडस्ट्री क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। राईस मिलर्स की समस्याओं को गंभीरता से लिया गया है और संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर जल्द ही सड़कों व अन्य मूलभूत सुविधाओं में सुधार कराया जाएगा। हमारा प्रयास है कि उद्योग को बेहतर माहौल मिले ताकि व्यापार और रोजगार दोनों को बढ़ावा मिल सके। विधायक ने आश्वासन दिया कि राईस इंडस्ट्री से जुड़े सभी मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा और क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

ढांड और सीवन में प्रशिक्षण महाअभियान, विधायक सतपाल जाम्बा ने संगठन की विचारधारा पर किया मंथन

कैथल, 29 मार्च (सुरेंद्र कुमार): पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत ढांड और सीवन मंडल में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में पुंडरी के विधायक सतपाल जाम्बा ने कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचकर संगठन की विचारधारा, केंद्र व हरियाणा सरकार की उपलब्धियों तथा कार्यकर्ताओं की भूमिका पर विस्तार से अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण वर्ग के दौरान विधायक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती, अनुशासन और समर्पण की भावना पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' केवल एक नारा नहीं, बल्कि अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का संकल्प है। विधायक सतपाल जाम्बा ने कहा—हम सभी कार्यकर्ताओं का कर्तव्य है कि सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं। कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत होते हैं और उनके प्रयासों से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। उन्होंने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हो रहे विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज भारत तेजी से विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर है और विश्व पटल पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाएं। विधायक ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा और दिशा देने का कार्य करते हैं। इससे संगठन और अधिक सशक्त होता है और जनसेवा के कार्यों में गति आती है। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने विधायक के विचारों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण वर्ग से उन्हें संगठनात्मक कार्यों को बेहतर तरीके से करने की प्रेरणा मिली है। यह प्रशिक्षण महाअभियान संगठन की मजबूती और जनसेवा के संकल्प को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

अमेरिका-इजराइल ने होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरानी शहर पर ...

में हथियार भंडारण और उत्पादन स्थलों के साथ-साथ हवाई रक्षा प्रणालियों को भी निशाना बनाया गया। बता दें मिडिल ईस्ट में युद्ध शुरू होने के एक महीने बीत जाने के बावजूद कोई पीछे हटने को तैयार नहीं है। ईरान जहां लगातार खाड़ी देशों पर हमले कर रहा है, वहीं अमेरिका ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य हमले की तैयारी कर रहा है।ताजा रिपोर्टों के मुताबिक अमेरिकी नौसेना का युद्धपोत यूएसएस त्रिपोली 3500 अतिरिक्त सैनिकों और घातक लड़ाकू विमानों के साथ खाड़ी में तैनात है। ट्रंप प्रशासन ईरान के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खार्ग द्वीप और होर्मुज स्ट्रेट पर कब्जे या हमले की योजना बना रहा है। इसके लिए अमेरिका ईरान में कई हफ्तों तक चलने वाले जमीनी वॉर की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट में वाशिंगटन के अज्ञात अधिकारियों के हवाले से बताया कि ट्रंप किसी भी हमले को मंजूरी देंगे या नहीं, यह अभी अनिश्चित बनी हुई है। **'फाइनल ब्लो' की तैयारी!** -अमेरिका ईरान के खिलाफ सीमित जमीनी अभियान की तैयारी कर रहा है, जिसमें खार्ग द्वीप और होर्मुज जलमार्ग जैसे अहम निशाने पर हैं।

अगर फिर भाजपा सरकार बनी तो अगले पांच वर्षों में हर घुसपैठिया ...

कहा कि बोरदोलोई जी ने असम को पूर्वी पाकिस्तान में मिलने से बचाया था, फिर भी कांग्रेस ने उन्हें भारत रत्न नहीं दिया। यह सम्मान उन्हें अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मिला। इसी तरह %भूपेन दा% को भी मोदी सरकार ने ही भारत रत्न से सम्मानित किया।

46 साल पुराना पंचायत जमीन विवाद सुलझा, मंत्री की पहल से गांव में लौटी सौहार्द की भावना

नरवाना, 29 मार्च (नरेन्द्र कुमार): गांव भाणा ब्रहामणा में पिछले करीब 46 वर्षों से चल रहा पंचायती जमीन विवाद आखिरकार रविवार को सुलझ गया। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी की पहल और मौजूदगी में ग्रामीणों एवं ग्राम पंचायत के बीच आपसी सहमति से यह लंबा विवाद समाप्त हुआ।मामले की जानकारी मिलते ही कैबिनेट मंत्री स्वयं गांव भाणा ब्रहामणा पहुंचे और स्थानीय कम्युनिटी सेंटर में ग्रामीणों व पंचायत प्रतिनिधियों के साथ खुलकर बातचीत की। सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई चर्चा के बाद दोनों पक्षों ने आपसी समझदारी से विवाद को समाप्त करने पर सहमति जताई।इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे, जिनमें एसडीएम नरवाना जगदीश चन्द्र, डीएसपी कमलदीप राणा और बीडीपीओ तरुण सुथार शामिल रहे।विवाद के स्थायी समाधान के लिए मौके पर ग्राम सभा की सहमति से 11 सदस्यों की एक कमेटी गठित की गई जिसमें प्रशासन और गांव के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया। एडीसी, एसडीएम नरवाना, बीडीपीओ और गांव के सरपंच सहित कुल 15 सदस्यीय यह कमेटी अब मामले से जुड़े सभी पहलुओं पर आपसी तालमेल से विचार-विमर्श कर आगे की कार्यवाही सुनिश्चित करेगी।ग्रामीणों ने लंबे समय से चले आ रहे इस विवाद के शांतिपूर्ण समाधान पर संतोष व्यक्त करते हुए कैबिनेट मंत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अब गांव में आपसी भाईचारा और सौहार्द का माहौल और मजबूत होगा।

रबी सीजन 2026 मंडी में फसल बेचने के लिए दिशा-निर्देश जारी

करनाल, 29 मार्च (परमजीत कौर): एसडीएम प्रदीप कुमार ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा रबी सीजन 2026 के दौरान किसानों की सुविधा एवं मंडियों में सुव्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इन दिशा-निर्देशों का उद्देश्य फसल की खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी, सुचारू और समयबद्ध बनाना है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि जारी निर्देशों के अनुसार मंडी में फसल लेकर आने वाले सभी किसानों के वाहनों पर फ्रंट नंबर प्लेट का स्पष्ट होना अनिवार्य किया गया है। साथ ही, गेट पास के लिए फोटो सत्यापन भी आवश्यक होगा, जिससे सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। मंडी में प्रवेश के लिए गेट पास जारी करने का समय सुबह छह बजे से रात आठ बजे तक निर्धारित किया गया है। किसान निर्धारित समय के भीतर ही अपनी फसल मंडी में लेकर आएं, ताकि व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके। इसके अतिरिक्त किसानों के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य किया गया है। इसके लिए किसानों को मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवाना होगा, जिसमें परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) या अन्य आवश्यक दस्तावेजों का उपयोग किया जा सकता है। हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड, पंचकूला द्वारा जारी इन निर्देशों के माध्यम से मंडियों में भीड़-भाड़ को नियंत्रित करने, पारदर्शिता बढ़ाने और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।उन्होंने बताया कि रबी खरीद सीजन 2026-27 के दौरान मंडियों/खरीद केंद्रों में किसान द्वारा बिक्री हेतु ले जाने वाली गेहूं में प्रयोग किये जाने वाले वाहन पर आवक गेट की रजिस्ट्रेशन नंबर के साथ फोटो कैप्चर किया जाएगा। वाहनों के बिना रजिस्ट्रेशन नंबर के आवक गेट पास जारी नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंडियों/खरीद केंद्रों को जियो फैंस किया गया है जिसके अंतर्गत खरीद प्रक्रिया के सभी चरण जैसे कि आवक गेट पास, बोली, आई-फार्म, इत्यादि मंडी/खरीद केंद्र स्थल पर ही जारी होंगे। उन्होंने बताया कि आढ़तियों को निर्देश दिए गए हैं कि ऑनलाइन ऑक्शन के बाद समय पर जे-फॉर्म और आई-फॉर्म जनरेट करें तथा सभी ढेरियों का वजन केवल इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन से ही किया जाए। इसके अलावा मंडी से बाहर जाने वाली गाडियों की फिजिकल वेरिफिकेशन भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। किसानों को अपनी उपज की बिक्री में राज्य सरकार किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने देगी। किसानों की सहायता के लिए प्रदेश स्तर पर टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800 180 2060 जारी किए गए हैं जिन पर किसानों को अनाज खरीद से संबंधित सभी सूचनाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा सभी मंडियों में एक शिकायत रजिस्टर भी सुनिश्चित किया जाएगा।

छात्रावास रोड़, पुराना बस अड्डा व भगत सिंह चौक के पास से ट्रैफिक पुलिस द्वारा हटवाया गया अतिक्रमण

शहर में सुगम व सुरक्षित यातायात व्यवस्था स्थापित करने के लिए पुलिस प्रयास

कैथल, 29 मार्च (सुरेंद्र कुमार): कैथल शहर में सुगम व सुरक्षित यातायात व्यवस्था स्थापित करने के लिए एसपी मनप्रीत सिंह सूदन द्वारा

ट्रैफिक पुलिस को आदेश दिए गए है, आदेशो पर कार्रवाई करते हुए ट्रैफिक पुलिस की टीम द्वारा सड़क पर रेहड़ी लगाकर तथा दुकानों के आगे सामान रखकर किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के निर्देश पर शहर में सुगम व सुरक्षित तथा निर्बाध यातायात व्यवस्था स्थापित करने के लिए थाना प्रबंधक यातायात इंस्पेक्टर सतपाल की अगुवाई में ट्रैफिक पुलिस की टीम द्वारा अभियान तहत पुराना बस अड्डा, छात्रावास रोड़ तथा भगत सिंह चौक के पास रेहड़ी लगाकर तथा दुकानों के आगे दुकानदारों द्वारा सामान रख कर किया गया अतिक्रमण हटवाया गया। कार्रवाई के दौरान सड़क पर रेहड़ी लगाने वाले तथा दुकानदारों को समझाया गया तथा उन्हें बताया गया कि दोबारा सड़क पर रेहड़ी लगाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रवक्ता ने कहा कि सड़क पर रेहड़ी लगाने तथा दुकानों के आगे सामान रखने से रास्ता काफी तंग हो जाता है। जिससे आमजन को निकलने में काफी परेशानी का सामना करना पडता है। भविष्य में भी समय समय पर ऐसे ऐसे अभियान चला कर जारी रहेगें।

श्याम बाल वाटिका पब्लिक स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित, मेधावी छात्र सम्मानित

नरवाना, 29 मार्च (नरेन्द्र कुमार): हिसार रोड स्थित श्री श्याम बाल वाटिका पब्लिक स्कूल में आज वार्षिक परीक्षा परिणाम बड़े ही उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में घोषित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रबंधन समिति, प्रधानाचार्य, शिक्षकगण तथा अभिभावकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिससे पूरा माहौल उत्सव जैसा बन गया। कार्यक्रम के दौरान कक्षा अनुसार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। विद्यार्थियों ने इस वर्ष भी शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के निदेशक कृष्ण अरोड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल अच्छे अंक दिलवाना नही बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है ताकि वे जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकें। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी।प्रधानाचार्य ज्योति अरोड़ा ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में विद्यालय और अभिभावकों की संयुक्त भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि विद्यालय प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता को पहचानकर उसे सही दिशा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। विद्यालय में आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, अनुशासन, नैतिक शिक्षा एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों पर विशेष बल दिया जाता है जिसका सकारात्मक प्रभाव विद्यार्थियों के उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों में स्पष्ट रूप से देखने को मिला।

किसान अनाज पैदा करके पूरी दुनिया का पेट भरता है लाली शर्मा

चीका/ कैथल, 29 मार्च (सुरेंद्र कुमार): दिन रात मेहनत करने वाले किसान अगर कमजोर हो जाते हैं तो देश आत्मनिर्भरता खो देता है लेकिन वह मजबूत है तो देश की स्वतंत्रता भी मजबूत हो जाती है।उक्त शब्द कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लाली शर्मा टटियाना ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहे।उन्होंने कहा कि किसान देश की रीड की हड्डी है, किसान मेहनत करता है तो अनाज उगाता है और पूरा हिंदुस्तान रोटी खाता है मगर भाजपा सरकार ने डीजल व पेट्रोल, गैस के रेट बढ़ाकर किसान व मजदूर की कमर तोड़ दी।जब से भाजपा ने सत्ता संभाली है तब से हर घर की रोजी-रोटी छिन गई है।पहले नोटबंदी की, फिर कोरोना जैसी बीमारियों का सामना करना पड़ा जिससे बहुत सी मौतें भी हुई और सरकार हाथ पर हाथ रखकर तमाशा देख रही थी। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में कोई वर्ग खुश नजर नहीं आ रहा।युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा, किसानो की फसल के सही दाम नहीं, व्यापारियों के व्यापार ठप्प हो रहे हैं।आज जनता कांग्रेस राज को याद कर रही है क्योंकि कांग्रेस हमेशा 36 बिरादरियों को साथ लेकर चलती थी।उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने किसानों का 1600 करोड़ का कर्ज माफ किया, फसल के सही दाम दिए, गरीबों को मनरेगा जैसी स्कीम दी ताकि ग़रीब व्यक्ति को काम मिल सके, बच्चों को स्कूलों में वजीफा दिया, युवाओं को रोजगार दिया। लाली शर्मा ने कहा कि आज पूरा हिंदुस्तान राहुल गांधी को प्रधानमंत्री देखना चाहता है ताकि अपना हिंदुस्तान बचा सके क्योंकि गांधी परिवार ही देश को सुरक्षित रख सकता है।

रक्तदान महादान, देश भक्त युवाओं को आगे आना होगा : कैबिनेट मंत्रियों का आह्वान

नरवाना, 29 मार्च (नरेन्द्र कुमार): एसडी महिला कॉलेज में मायादेवी चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर में रविवार को मानव सेवा का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला। शिविर के शुभारंभ एवं समापन अवसर पर हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्रियों ने पहुंचकर

रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया और समाज में सेवा भावना को बढ़ावा देने का संदेश दिया।हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई महादान नहीं होता। उन्होंने कहा कि रक्तदाता द्वारा दी गई चंद बूंदें किसी दुर्घटना या गंभीर बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति के लिए जीवन की संजीवनी बन जाती हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे रक्तदान के साथ-साथ पौधारोपण, स्वच्छता अभियान और सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लें।वहीं हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने शिविर के शुभारंभ अवसर पर कहा कि रक्तदान केवल सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति देश की अमूल्य धरोहर है और यदि युवा सेवा व सहयोग की भावना अपनाएं तो राष्ट्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान दोनों मंत्रियों ने रक्तदाताओं को बैज व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया और उनके इस पुण्य कार्य की सराहना की। उन्होंने सामाजिक संस्थाओं से भी आह्वान किया कि वे ऐसे जनसेवा के कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों में जागरूकता फैलाएं।शिविर में सैनिकों के सम्मान को भी विशेष रूप से समर्पित किया गया। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद डीपी वत्स, मायादेवी चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारी राजेश गोयल, कर्नल रामपुरोहित, दिनेश गोयल, सुशील शास्त्री, सुरेश पांचाल, ओम प्रकाश शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

डीजल, पेट्रोल व रसोई गैस को लेकर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई : उपायुक्त नेहा सिंह

जिला वासियों को सही व प्रमाणिक जानकारी देने के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी

सोनीपत, 29 मार्च (ब्यूरो): उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा है कि जिला में डीजल, पेट्रोल तथा रसोई गैस की आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह से सुचारू बनी हुई है और किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और आवश्यकतानुसार ही खरीदारी करें। उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार तेल व गैस एजेंसियों के साथ निरंतर संपर्क में है, जिससे आपूर्ति व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो रही है। जिला में डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की पर्याप्त उपलब्धता है तथा आमजन को घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि इन आवश्यक वस्तुओं को लेकर अफवाह फैलाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला में कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं, जहां नागरिक डीजल, पेट्रोल या रसोई गैस से संबंधित किसी भी जानकारी या समस्या के लिए हेल्पलाइन नंबर 0130-2221590 पर संपर्क कर सकते हैं। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में आपूर्ति व्यवस्था की लगातार निगरानी सुनिश्चित करें। साथ ही राज्य सरकार द्वारा भी निगरानी के लिए प्रशासनिक सचिवों की ड्यूटी लगाई गई है, ताकि किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। जिला वासियों को आश्वस्त करते हुए उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि जिला में डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे इन आवश्यक वस्तुओं की अनावश्यक खरीदारी या भंडारण न करें और प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि भारत पैट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) द्वारा पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की पाइपलाइन नगर के विभिन्न क्षेत्रों में बिछाई जा रही है। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कंपनी को जल्द से जल्द नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) जारी किए जाए ताकि पाइपलाइन बिछाने का कार्य जल्द से जल्द पूरा हो सके। इसके साथ ही उन्होंने कंपनी के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए की वह पाइप लाइन बिछाने से संबंधित अपना अग्रिम शेड्यूल जारी करें। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र के उद्योगपतियों का भी आह्वान किया कि वे अपने-अपने उद्योगों में पीएनजी का प्रयोग करें। उपायुक्त ने बताया कि जिला में 32 गैस एजेंसियों के माध्यम से गैस सिलेंडरों की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि रसोई गैस की उपलब्धता को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। कालाबाजारी, जमाखोरी तथा गैस के अनाधिकृत प्रयोग को रोकने के लिए लगातार कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसके तहत समय-समय पर छापामारी कर जांच-पड़ताल भी की जा रही है, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और यदि कहीं गैस आपूर्ति में कोई अनियमितता नजर आती है, तो इसकी सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि जिला में गैस की आपूर्ति नियमित रूप से जारी है और उपभोक्ताओं तक सिलेंडर समय पर पहुंचाए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा केवल आवश्यकता अनुसार ही गैस सिलेंडर प्राप्त करें और अनावश्यक रूप से सिलेंडरों का संग्रह न करें। उन्होंने कहा है कि शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार को 25 दिनों के अंतराल के बाद गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाया जा रहा है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार को 45 दिनों के अंतराल पर गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है ताकि सभी उपभोक्ताओं को सुचारु रूप से गैस उपलब्ध करवाई जा सके।

ग्राम पंचायतों की वार्ड वार मतदाता सूचियों का हुआ अंतिम प्रकाशन

कैथल, 29 मार्च (सुरेंद्र कुमार): हरियाणा पंचायती राज निर्वाचन नियम, 1994 के तहत जिला कैथल की संबंधित ग्राम पंचायतों की वार्ड वार मतदाता सूचियों के अंतिम प्रकाशन की शुक्रवार को कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुए डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) अपराजिता ने बताया कि आम चुनाव/उप-चुनाव 2026 के मद्देनजर वार्डवार मतदाता सूचियों का प्रारंभिक प्रकाशन 2 मार्च 2026 को किया गया था। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत आपत्तियां एवं सुझाव प्राप्त किए गए और उनका नियमानुसार निपटान किया गया।

उन्होंने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत), कैथल तथा सभी खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों द्वारा आवश्यक रिपोर्ट तैयार की गई। इसके उपरांत हरियाणा पंचायती राज निर्वाचन नियमावली, 1994 (संशोधित 20 सितंबर 2019) के नियम 8(4) में निहित प्रावधानों के तहत 27 मार्च 2026 को अंतिम मतदाता सूचियों का प्रकाशन किया गया।

त्यौड़ा स्कूल के छात्र ने उत्तरी भारत विज्ञान मेला 2026 में हासिल किया शीर्ष सम्मान

शाहाबाद मारकंडा, 29 मार्च (रूबी): राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय त्यौड़ा के छात्र रविंदर ने स्मार्ट एल.पी.जी. और अग्नि सुरक्षा प्रणाली एस.एम.एस./कॉल अलर्ट और एस.एम.एस. ओवरराइड के साथ नामक प्रोजेक्ट के लिए उत्तरी भारत विज्ञान मेला 2026 में प्रथम स्थान हासिल किया। यह जानकारी देते हुए प्राचार्य सतीश शर्मा ने बताया कि यह दो दिवसीय जोनल स्तर का मेला 26-27 मार्च 2026 को नेशनल साइंस सेंटर, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित हुआ था। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में डॉ. मनोज कुमार पतेरिया, हेड एवं एडवाइजर, नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन, डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भारत सरकार और डॉ. सी. रवि शेखर, डायरेक्टर, सी.एस.आई.आर. ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। सतीश शर्मा ने बताया कि यह प्रोजेक्ट पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और नई दिल्ली के सरकारी व निजी स्कूलों के प्रवेशों में सबसे आगे रहा। अब रविंदर हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर के विज्ञान मेले में भाग लेगा। प्राचार्य सतीश शर्मा ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा यह हमारे स्कूल के लिए गर्व का क्षण है। स्कूल का छात्र रविंदर अब राष्ट्रीय स्तर के विज्ञान मेले में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करने के लिए पूरी तरह योग्य हो गया हैं। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट को परिष्कृत करने में पी.जी.टी. फिजिक्स राजेश कुमार, संजय ग्रोवर पी.जी.टी .केमिस्ट्री और डॉ. अंकिता पी.जी.टी. बायोलॉजी का मार्गदर्शन और योगदान उल्लेखनीय रहा।

सम्पादकीय

रिजर्व बैंक के लिए अजीब संकट

भारतीय रिजर्व बैंक इन दिनों गहरे संकट में फंस गया है। रिजर्व बैंक यदि रुपए को बचाने की कोशिश करता है तो ऐसी स्थिति में वह खाई में गिरने की स्थिति में आता है, विदेशी मुद्रा के भंडार को यदि वह रुपए के बचाने में उपयोग करता है तो गहरे कुएं में गिरना तय है। रिजर्व बैंक को समझ नहीं आ रहा है कि वह किस तरह से स्थिति को संभाले। इजरायल-अमेरिका और ईरान के युद्ध ने भारतीय रिजर्व बैंक को बड़ी मुसीबत में डाल दिया है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत 94 रुपए के स्तर पर पहुंच गई है। कारोबारी उद्योग जगत तथा कच्चे तेल, गैस इत्यादि के आयात के लिए विदेशी मुद्रा की सबसे बड़ी आवश्यकता देश को है। रुपए को गिरने से रोकने के लिए पहले भी रिजर्व बैंक ने बहुत सारी विदेशी मुद्रा खर्च कर दी है। वर्तमान अर्थव्यवस्था के लिए विदेशी मुद्रा भंडार भरा होना जरूरी है, लेकिन रिजर्व बैंक में इसकी स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। डॉलर की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। कच्चे तेल और गैस आयात को लेकर भी अतिरिक्त डॉलर की मांग बनी है। पहले रूस से जो कच्चा तेल और गैस आती थी उसका भुगतान डॉलर में नहीं होता था, लेकिन अब डॉलर के ऊपर सभी ओर से दबाव बढ़ता चला जा रहा है। जिसके कारण रिजर्व बैंक के विदेशी मुद्रा भंडार के लिए चुनौतियां बढ़ती चली जा रही हैं। सरकार का दबाव डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत को गिरने से रोकना है। पिछले कई महीने से रिजर्व बैंक डॉलर और विदेशी मुद्रा भंडार के जरिए रुपए की गिरावट को रोक रहा था, लेकिन अब विदेशी मुद्रा भंडार इस स्थिति में आकर खड़ा हो गया है कि अब रिजर्व बैंक ने पर्याप्त मात्रा में विदेशी भंडार और डॉलर को नहीं रखा तो स्थिति और भी खराब हो जाएगी। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ महीने में डॉलर के मुकाबले रुपया 100 रुपये तक पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में देश की अर्थव्यवस्था को काफी बड़ा नुकसान होगा। कच्चे तेल और गैस का 60 फीसदी से अधिक आयात इन दिनों डॉलर मुद्रा में हो रहा है। ईरान और रूस ने भी भारत को कच्चा तेल और गैस देना स्वीकार कर लिया है, लेकिन इसका भुगतान विदेशी मुद्रा में प्राप्त करने की शर्त लगा दी है। ऐसी स्थिति में रिजर्व बैंक को डॉलर और युआन का पर्याप्त भंडार बनाकर रखना होगा। यदि ऐसा नहीं हो पाया तो 1990 में जिस तरह से चंद्रशेखर सरकार को सोना गिरवी रखकर कच्चे तेल का आयात करना पड़ा था, वही स्थिति भविष्य में निर्मित हो सकती है। रिजर्व बैंक के आंकड़े बता रहे हैं की 13 मार्च तक उसके पास 710 अरब डॉलर का भंडार था, मार्च माह में विदेशी निवेशकों ने 12.01 अरब डॉलर जो भारतीय मुद्रा में लगभग 1.10 लाख करोड़ रुपए होता है वह निकाल लिया है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा सोना, एसडीआर और आईएमएफ के जरिए प्राप्त होती है। विदेशी मुद्रा का भंडार अमेरिकी डॉलर यूरो, युआन और पाउंड पर निर्भर करता है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास विदेशी मुद्रा भंडार में 556 अरब डॉलर और 131 अरब डॉलर का सोना है। आरबीआई सोने को बेचता नहीं है, इस स्थिति में रिजर्व बैंक के पास डॉलर के मुकाबले रुपए में आ रही गिरावट को रोकने के लिए मात्र दो तरीके बचते हैं, पहला वह अपने विदेशी मुद्रा भंडार की मुद्राओं को बाजार में बेचे लेकिन इसका असर भारत की आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा। दूसरा ब्याज दरों को बढ़ाना पड़ेगा। इससे रुपए की गिरावट कुछ समय के लिए थम सकती है। लेकिन जिस तरह की स्थिति बनी हुई है विदेशी मुद्रा के रूप में विदेश से जो राशि रिजर्व बैंक में आती थी उसमें बड़ी गिरावट आई है। युद्ध के कारण जिस तरह की स्थिति है उसके बाद उसको थाम पाना रिजर्व बैंक के लिए आसान नहीं रहा। डोनाल्ड ट्रंप जब अमेरिका के राष्ट्रपति बने थे तब भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 84 रुपए का था जो अब 94 रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। पिछले 1 वर्ष में जिस तरह से अमेरिका ने भारत के ऊपर रूस से तेल और कच्चा तेल और गैस लेने पर प्रतिबंध लगाया था उसके बाद से भारत को सारा कच्चा तेल और गैस एवं अन्य सामग्री डॉलर में खरीदनी पड़ रही है, जिसके कारण विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति इन दिनों सबसे ज्यादा खराब है। रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय में आर्थिक विशेषज्ञों की कमी इस समस्या को और भी बढ़ा रही है। रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी तथा अन्य लोग जिस तरह के निर्णय ले रहे हैं, इसका असर अब भारतीय अर्थव्यवस्था में पढ़ता हुआ दिख रहा है। रिजर्व बैंक में जो आर्थिक विशेषज्ञ हैं उनका मानना है कि यदि यही प्रवाह बना रहा तो 4 से 6 महीने के अंदर 1991 वाली स्थिति विदेशी मुद्रा को लेकर फिर आ सकती है, जिसके कारण भारत का अर्थ संकट बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगा।

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछे भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका। जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशर्ते कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सर्वांगीण विवेचन उपलब्ध है। मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है। अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है।

जनता को लग रही लॉकडाउन की आशंका, सूचना तंत्र सक्रिय

एडवोकेट किशन सनमुखदास - क्या दुनियाँ फिर कोविड-19 जैसे दौर की ओर बढ़ रही है या यह केवल भय और अफवाहों का जाल है?

पीएम की लगातार बैठकें,देश में तेल,गैस और अन्य आवश्यक संसाधनों की आपूर्ति लगातार सुनिश्चित करना -अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी को ध्यान में रखना ज़रूरी वैश्विक स्तरपर कोविड -19 महामारी ने दुनियाँ को जिस तरह से झकझोर कर रख दिया था,उसकी स्मृतियाँ आज भी लोगों के मन में ताज़ा हैं। 2020-21 के दौरान लगाए गए लॉकडाउन,आर्थिक गतिविधियों का ठप होना,सड़कों पर सन्नाटा और अनिश्चित भविष्य ये सब अनुभव आज भी समाज की सामूहिक चेतना में गहराई से बसे हुए हैं।ऐसे में जब 2026 में ऊर्जा संकट, पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और सरकारों की लगातार बैठकों की खबरें सामने आती हैं,तो स्वाभाविक रूप से लोगों के मन में यह सवाल उठता है,क्या दुनियाँ एक बार फिर लॉकडाउन की ओर बढ़ रही है? क्या यह एक नए प्रकार का ऊर्जा लॉकडाउन होगा? या यह केवल अफवाहों औरसोशल मीडिया की उपज है?मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं कि इस बार संकट का कारण कोई वायरस नहीं,बल्कि ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ी अनिश्चितताएँ हैं।पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका ने कई देशों को सतर्क कर दिया है।कुछ देशों में बिजली की खपत कम करने के लिए स्कूल-कॉलेजों को अस्थायी रूप से बंद किया जा रहा है,सरकारी दफ्तरों में सप्ताह में केवल चार दिन काम का मॉडल अपनाया जा रहा है, और वर्क फ्रॉम होम को फिर से प्रोत्साहित किया जा रहा है।यह स्थिति भले ही कोविड जैसी स्वास्थ्य आपातकाल नहीं है, लेकिन इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव उतने ही गहरे हो सकते हैं।श्रीलंका जैसे देशों में पहले से ही ऊर्जा संकट के कारण सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिल रहा है। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि ऊर्जा संकट केवल आर्थिक समस्या नहीं है,बल्कि यह सामाजिक स्थिरता और नागरिक जीवन को भी सीधे प्रभावित करता है।भारत की स्थिति की व्याख्या हम,सतर्कता लेकिन घबराहट नहीं के रूप में कर सकते हैं,भारत भी इस वैश्विक संकट को लेकर सरकार पूरी तरह सतर्क है। पीएम ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ 26 मार्च 2026 को शाम साढ़े छह बजे बैठक कर स्थिति की समीक्षा की है।इन बैठकों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में तेल,गैस और अन्य आवश्यक संसाधनों की आपूर्ति सुचारू रूप से बनी रहे। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत के पास लगभग 60 दिनों का ईंधन भंडार उपलब्ध है, जो तत्काल किसी बड़े संकट की संभावना को कम करता है।सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि देश में किसी प्रकार का लॉकडाउन लगाने की कोई योजना नहीं है।वित्त मंत्री और संसदीय कार्य मंत्री और पेट्रोलियम मंत्री ने संयुक्त रूप से बयान देकर इन अफवाहों को खारिज किया है। भारत में लॉकडाउन के संदेह का जन्म संसद में पीएम के बयान की गलत व्याख्या,अफवाहों के कारण कुछ जगहों पर पैनिक बाइंग की स्थिति उत्पन्न हुई, इंडियन ऑइल कारपोरेशन और भारत पेट्रोलियम ने सफाई दी हैसरकार का स्पष्ट संदेश है कि देश में पर्याप्त फ्यूल स्टॉक मौजूद है। लॉकडाउन और फ्यूल क्राइसिस की खबरें पूरी तरह भ्रामक है सोशल मीडिया पर फैल रही गलत जानकारी से सतर्क रहने की अपील की गई है। 27 मार्च 2026 को भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में लॉकडाउन की कोई योजना नहीं है और ऐसी अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीयमंत्री ने सोशल मीडिया पर चल रही लॉकडाउन की खबरों को पूरी तरह गलत और हानिकारक बताया है। लोग घबराएं नहीं और न ही अफवाहों पर ध्यान दें, क्योंकि ईंधन और जरूरी वस्तुओं का पर्याप्त भंडार है। साथियों बात अगर हम सोशल मीडिया और अफवाहों का तंत्र-डर का नया स्रोत इसको समझने की करें तो आज के डिजिटल युग में सूचना जितनी तेजी से फैलती है,उतनी ही तेजी से भ्रम और अफवाहें भी फैलती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ऊर्जा लॉकडाउन और देशव्यापी बंदी जैसे शब्द ट्रेंड करने लगे,जिससे आम लोगों में डर का माहौल बन गया।पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगने लगीं,गैस सिलेंडर और आवश्यक वस्तुओं की खरीद अचानक बढ़ गई।यह स्थिति बताती है कि संकट केवल वास्तविक नहीं होता, बल्कि उसकी धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है। जब लोग यह मान लेते हैं कि कोई बड़ा संकट आने वाला है,तो उनका व्यवहार भी उसी अनुसार बदल जाता है,चाहे वास्तविक स्थिति उतनी गंभीर न हो। साथियों बात अगर हम भारत की रणनीति- संतुलन और स्थिरता को समझने की करें तो भारत ने पिछले कुछवर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में विविधीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा पर बढ़ता जोर रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, और आपूर्ति श्रृंखलाओं का विविधीकरण ये सभी कदम भारत को इस प्रकार के संकटों से निपटने में सक्षम बनाते हैं।सरकार का वर्तमान फोकस स्पष्ट है-आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखना,कीमतों को नियंत्रित रखना,जनता में घबराहट को रोकना,जनता की भूमिका-संयम और जागरूकता- किसी भी संकट के दौरान सरकार की नीतियों के साथ-साथ जनता का व्यवहार भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि लोग अफवाहों पर विश्वास करके अनावश्यक खरीददारी करते हैं, तो इससे कृत्रिम संकट उत्पन्न हो सकता है इसलिए,यह आवश्यक है कि लोग केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें और किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें। साथियों बात अगर हम राजनीतिक बयानबाज़ी और उसके प्रभाव को समझने की करें तो,इस पूरे घटनाक्रम में राजनीतिक बयानबाज़ी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने यह आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एक बार फिर लॉकडाउन लगा सकती है और लोगों को घरों में कैद कर सकती है।उन्होंने 2021 के लॉकडाउन और चुनावों का उदाहरण देते हुए अपनी बात रखी।हालांकि, ऐसे बयान अक्सर राजनीतिक दृष्टिकोण से दिए जाते हैं,लेकिन इनका असर आमजनता पर गहरा पड़ता है। जब एक वरिष्ठ नेता इस तरह की आशंका व्यक्त करता है, तो लोगों के मन में अनिश्चितता और भय और अधिक बढ़ जाता है। साथियों बात अगर हम पीएम के संसद में बयान और उसके गलत अर्थ को समझने की करें तो,सोशल मीडिया पर यह दावा भी किया गया कि पीएम ने संसद में अपने संबोधन के दौरान लॉकडाउन का संकेत दिया था।

आर्थिक बोझ के नाम पर अधिकार नहीं छीने जा सकते

कांतिलाल मांडोत

देश की सर्वोच्च न्याय व्यवस्था ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि विकास योजनाओं और सार्वजनिक परियोजनाओं के नाम पर नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कमजोर नहीं किया जा सकता। जब भी किसी नागरिक की भूमि अधिग्रहित की जाती है, तो उसके बदले उसे न्यायसंगत मुआवजा देना केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व है।हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया निर्णय इसी सिद्धांत को मजबूत करता है, जिसमें यह साफ कहा गया कि केवल वित्तीय बोझ का हवाला देकर मुआवजे के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता।

यह मामला राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण से जुड़ा था, जिसमें भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने यह दलील दी थी कि मुआवजे और ब्याज का भुगतान करने से उस पर अत्यधिक आर्थिक भार पड़ेगा। इस आधार पर उसने पूर्व के निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की। किंतु न्यायालय ने इस तर्क को अस्वीकार करते हुए कहा कि आर्थिक बोझ का आकलन किसी भी स्थिति में न्यायसंगत मुआवजे की संवैधानिक गारंटी को कमजोर करने का आधार नहीं बन सकता।

न्यायालय की पीठ ने अपने निर्णय में यह रेखांकित किया कि जब राज्य या उसकी एजेंसियां किसी व्यक्ति की संपत्ति का अधिग्रहण करती हैं, तो वह व्यक्ति केवल अपनी भूमि ही नहीं खोता, बल्कि उसके साथ जुड़ी आजीविका, सामाजिक सुरक्षा और भविष्य की संभावनाएं भी प्रभावित होती हैं। ऐसे में मुआवजा केवल जमीन के मूल्य का भुगतान नहीं, बल्कि एक व्यापक न्यायिक प्रतिपूर्ति होती है, जिसमें ब्याज भी शामिल होता है ताकि देरी से होने वाले नुकसान की भरपाई हो सके।

इस निर्णय का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि भूमि अधिग्रहण के मामलों में सभी भू-स्वामियों को समान दृष्टि से देखा जाना चाहिए। कुछ मामलों में भू-स्वामियों ने न्यायालय या मध्यस्थता की प्रक्रिया का सहारा लेकर अधिक मुआवजा प्राप्त किया है, जबकि अन्य मामलों में अंतिम निर्णय हो चुका है। न्यायालय ने यह संतुलन बनाने की आवश्यकता बताई कि जहां एक ओर लोगों को उनका उचित अधिकार मिले, वहीं दूसरी ओर पहले से निपटाए गए मामलों में अनिश्चितता न उत्पन्न हो।

वास्तव में भूमि अधिग्रहण का विषय केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है। भारत जैसे देश में, जहां बड़ी आबादी की आजीविका भूमि पर निर्भर है, वहां अधिग्रहण का प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे समुदाय को प्रभावित करता है। ऐसे में मुआवजे की प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और समयबद्धता अत्यंत आवश्यक हो जाती है। न्यायालय ने अपने निर्णय में यह भी कहा कि केवल इस आधार पर कि मुआवजे और ब्याज का भुगतान करने से बड़ी वित्तीय देनदारी उत्पन्न होगी, पुनर्विचार का कोई वैध आधार नहीं बनता। यह एक महत्वपूर्ण संदेश है कि राज्य की वित्तीय स्थिति नागरिकों के अधिकारों से ऊपर नहीं हो सकती। यदि ऐसा होने लगे, तो यह संविधान की मूल भावना के विपरीत होगा, जिसमें प्रत्येक नागरिक को समान न्याय और संरक्षण का अधिकार दिया गया है। इस निर्णय के माध्यम से न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि न्यायसंगत मुआवजा केवल एक कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि एक नैतिक और संवैधानिक दायित्व है। जब सरकार या उसकी एजेंसियां विकास के नाम पर भूमि अधिग्रहण करती हैं, तो उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रभावित लोगों को उचित और पर्याप्त मुआवजा मिले, जिससे वे अपने जीवन को पुनः स्थापित कर सकें।यह फैसला उन लाखों किसानों और भू-स्वामियों के लिए राहत लेकर आया है, जिनकी जमीन विभिन्न परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित की गई है। इससे यह विश्वास मजबूत होता है कि न्यायालय उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी परिस्थिति में उनके साथ अन्याय नहीं होने देगा। साथ ही, यह निर्णय नीति-निर्माताओं के लिए भी एक स्पष्ट संदेश है कि विकास और अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। केवल परियोजनाओं की गति और लागत को ध्यान में रखकर निर्णय लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन लोगों के हितों की भी रक्षा करनी होगी, जो इन परियोजनाओं से सीधे प्रभावित होते हैं।

अंततः यह कहा जा सकता है कि सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय भारतीय न्याय प्रणाली की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें नागरिकों के अधिकारों को सर्वोपरि रखा गया है। आर्थिक बोझ चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, वह न्याय और अधिकारों की बलि नहीं बन सकता। यह फैसला न केवल वर्तमान मामलों के लिए मार्गदर्शक है, बल्कि भविष्य में होने वाले सभी भूमि अधिग्रहण मामलों के लिए भी एक महत्वपूर्ण मानक स्थापित करता है।

(रु103 जलवंत टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

वैश्विक संकट के बीच मानवता की अंतिम सुरक्षा ऊर्जा संरक्षण

- योगेश कुमार गोयल

आज जब विश्व एक बार फिर भू-राजनीतिक तनावों के दौर से गुजर रहा है और ईरान, अमेरिका तथा इजरायल के बीच टकराव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है, तब ऊर्जा केवल विकास का साधन नहीं बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। तेल और गैस के दामों में उतार-च?ाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और ऊर्जा स्रोतों पर ब?ती निर्भरता ने पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या आधुनिक सभ्यता ने अपनी बुनियाद अत्यधिक अस्थिर संसाधनों पर ख?ी कर दी है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं बल्कि मानवता की सुरक्षा का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय बनकर उभर रहा है। ऊर्जा आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग है, चाहे वह उद्योगों की मशीनें हों, परिवहन के साधन हों, डिजिटल अर्थव्यवस्था हो या घरेलू जीवन की सुविधाएं किंतु विडंबना यह है कि जिस ऊर्जा पर हमारी प्रगति आधारित है, वही अब संकट का कारण बनती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की 'एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024' के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्जा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में ऊर्जा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता ब?ा दी है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। दरअसल भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर प?ता है। पैट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल परिवहन लागत को नहीं ब?ाती बल्कि खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक हर क्षेत्र में महंगाई को जन्म देती है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण आधार बन जाता है। भारत तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है और यहां ऊर्जा की मांग निरंतर ब? रही है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की 'इंडिया एनर्जी आउटलुक 2024' रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यदि ऊर्जा खपत को संतुलित नहीं किया गया तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को अपनी नीति का केंद्रीय तत्व बनाया है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा लागू ऊर्जा संरक्षण अधिनियम और 'उजाला' जैसे कार्यक्रमों ने यह साबित किया है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। 36 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों का वितरण और उससे हुई 48 बिलियन यूनिट बिजली की बचत इस बात का प्रमाण है कि यदि नीति और जनभागीदारी साथ आएं तो ऊर्जा संरक्षण एक जनांदोलन बन सकता है। ऊर्जा संरक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह किसी नई तकनीक या ब?े निवेश पर निर्भर नहीं है बल्कि यह हमारे दैनिक व्यवहार में छोटे-छोटे बदलावों से ही संभव है। उदाहरण के लिए, अनावश्यक रूप से जलती लाइटों को बंद करना, ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना, एयर कंडीशनर का सीमित प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन को अपनाना और सौर ऊर्जा जैसे विकल्पों को ब?ावा देना, ये सभी कदम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रखते हैं। यदि भारत का प्रत्येक परिवार प्रतिदिन केवल एक यूनिट बिजली की बचत करे तो यह देश के लिए ऊर्जा क्रांति के समान होगा। ऊर्जा संरक्षण का संबंध केवल बिजली तक सीमित नहीं है बल्कि यह जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य से भी गहराई से जु?ा हुआ है। ऊर्जा उत्पादन में जल का व्यापक उपयोग होता है और जल की बर्बादी सीधे ऊर्जा की बर्बादी में बदल जाती है। इसी प्रकार, ऊर्जा के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन ब?ता है, जो जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि का मुख्य कारण है। आज जब दुनिया 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है, तब ऊर्जा संरक्षण इस दिशा में सबसे प्रभावी हथियार साबित हो सकता है। अक्षय ऊर्जा इस संकट का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करती है लेकिन इसकी सफलता भी ऊर्जा संरक्षण पर ही निर्भर करती है। सौर, पवन और जैव ऊर्जा जैसे स्रोतों का विस्तार तभी प्रभावी होगा, जब ऊर्जा की कुल मांग को नियंत्रित किया जाए। भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ब?ा कदम है बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीकें इस दिशा में नई संभावनाएं खोल रही हैं लेकिन इन सबका मूल आधार ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही है। शहरीकरण के ब?ते दबाव ने भी ऊर्जा खपत को तेजी से ब?ाया है। महानगरों में ऊंची इमारतें, एयर कंडीशनिंग सिस्टम और ब?ती वाहन संख्या ऊर्जा की मांग को कई गुना बढ़ा देती है।

मन की बात कार्यक्रम जनसंवाद का सशक्त माध्यम : रामकुमार कश्यप

विधायक रामकुमार कश्यप ने बूथ नं. 54 पर सुना मन की बात कार्यक्रम का 132 वां एपिसोड

इंद्री, 29 मार्च (बिसपाल राणा): विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने रविवार को गांव सातडी बूथ नं. 54 पर कार्यकर्ताओं और ग्राम वासियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की

बात कार्यक्रम के 132 वें एपिसोड को सुना। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात की। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक हालात, युद्ध और ऊर्जा संकट पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हैं, ऐसे में देशवासियों को अफवाहों से बचते हुए एकजुट रहने की आवश्यकता है। इस अवसर पर विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि मन की बात केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन-जन से संवाद, देश को दिशा और समाज को प्रेरणा देने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थिति में प्रधानमंत्री का यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है कि देशवासियों को किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचते हुए एकजुट रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम लगातार सरकार और जनता के बीच संवाद का सशक्त माध्यम बना हुआ है। इस कार्यक्रम को जनसंचार के क्षेत्र में एक अनूठी पहल माना जाता है। इस कार्यक्रम के जरिए प्रधानमंत्री सीधे नागरिकों से संवाद करते हैं और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों, सामाजिक विकास, नवाचार और प्रेरणादायक कहानियों को साझा करते हैं। इसका उद्देश्य न केवल सरकार और जनता के बीच दूरी कम करना है, बल्कि सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देना भी है। इस मौके पर विधायक रामकुमार कश्यप ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर मन की बात कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ रोशन लाल, रणधीर कांबोज, चेयरमैन प्रतिनिधि बलिंद्र कटारिया, शक्ति केंद्र प्रमुख सतीश, बूथ अध्यक्ष अंकुश, मंदिर प्रधान धर्मसिंह, सुमेर चन्द, ताराचंद, जयकुमार, राजकुमार,मास्टर विपिन, ब्लॉक समित प्रतिनिधि ऋषिपाल, सरपंच देवेंद्र, माया राम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जनसेवा के कार्यों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी : डॉ. बलराम शर्मा

बोले : युवा विचार मंच की पूरी टीम काबिले तारीफ, उनका यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक

करनाल, 29 मार्च (संदीप रोहिला): युवा विचार मंच, बांसा एवं अपर्णा हॉस्पिटल मधुबन के संयुक्त तत्वावधान में गांव बांसा में दूसरे निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में डीएवी कॉलेज, करनाल के राजनीतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ बलराम शर्मा ने शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर युवा विचार मंच के सभी पदाधिकारीयों ने मुख्य अतिथि डॉ बलराम शर्मा का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। मुख्य अतिथि डॉ बलराम शर्मा ने कहा कि जन सेवा के कार्यों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी बहुत जरूरी है। इस प्रकार के कार्यक्रम गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बहुत जरूरी है। इससे ग्रामीण अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हैं। उन्होंने युवा विचार मंच की पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं द्वारा किया जा रहा यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राजेश आर्य पाढा ने कहा की बदलती जीवन शैली में लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना बेहद जरूरी है। विशिष्ट अतिथि बलजीत मलिक समाजसेवी ने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से लोगों को समय-समय पर अपनी जांच करवानी चाहिए। कार्यक्रम में युवा विचार मंच के अध्यक्ष राहुल बांसा ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा मरीजों की नेत्र जांच, हृदय रोग जांच तथा घुटनों की जांच की गई। कई मरीजों को मौके पर ही निशुल्क दवाइयां प्रदान की गई। इस शिविर में दो सौ से अधिक मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई। उन्होंने बताया कि इस संस्था का मुख्य उद्देश्य समाज सेवा के माध्यम से लोगों को जागरूक करना है। कार्यक्रम के अंत में युवा विचार मंच के सभी पदाधिकारीयों ने मुख्य अतिथि डॉ बलराम शर्मा, कार्यक्रम के अध्यक्ष राजेश आर्य पाढा एवं विशिष्ट अतिथि बलजीत मलिक को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर युवा विचार मंच के उपाध्यक्ष अमित भोला, सचिव अमित माहला, प्रवक्ता अमित पाल, मीडिया प्रभारी दीपक पाल, रवि पाल, गुरमीत भोला, अजय माहला, सागर भोला, वीरेंद्र कुमार एवं भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

चौशाला : चमन ऋषि मंदिर में चोरी, माता का डेढ़ किलो चांदी का छत्र गायब

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुआ आरोपी, ग्रामीणों में भारी रोष

कलायत,29 मार्च (सूबे सिंह मोर): कलायत उपमंडल के गांव चौशाला स्थित ऐतिहासिक चमन ऋषि मंदिर में बीती रात एक चोर ने

माता की मूर्ति पर सुशोभित करीब 1.6 किलो वजन का चांदी का छत्र चोरी कर लिया। शनिवार सुबह जब मंदिर के पुजारी बृजेश शर्मा पट खोलने पहुंचे, तो माता का छत्र गायब देख उनके होश उड़ गए। पुजारी की सूचना पर मंदिर में ग्रामीणों का तांता लग गया। चोरी हुए छत्र की बाजार में कीमत करीब 4 लाख रुपये बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और साक्ष्य जुटाए। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर पता चला कि वारदात को रात करीब 2 बजे अंजाम दिया गया है। फुटेज में एक संदिग्ध काले कपड़ों में नजर आ रहा है, जिसने पहचान छिपाने के लिए चेहरा ढका हुआ था। थाना प्रभारी सुभाष चंद्र वह जांच अधिकारी बलजोर सिंह ने बताया कि फॉरेंसिक टीम ने उंगलियों के निशान और अन्य तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए हैं। आसपास के रास्तों पर लगे कैमरों की भी जांच की जा रही है। पुलिस का दावा है कि संदिग्ध की कद-काठी और तकनीकी इनपुट के आधार पर आरोपी को जल्द काबू कर लिया जाएगा।

नुक्कड़ नाटक से गूंजी नशामुक्ति की हुंकार, युवाओं को मिला सशक्त संदेश

निसिंग,29 मार्च (जोगिंद्र सिंह): बाबू अनन्त राम जनता महाविद्यालय, कौल में नशामुक्ति को लेकर एक प्रभावशाली जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें नुक्कड़ नाटक के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से रूबरू कराया गया। कार्यक्रम उच्च शिक्षा निदेशालय

के निर्देशानुसार प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल के मार्गदर्शन में नशा मुक्ति जागरूकता प्रकोष्ठ, तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ, रोड सेफ्टी क्लब एवं यूथ रेड क्रॉस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने कहा कि नशा आज समाज के सामने एक गंभीर चुनौती बन चुका है, जो खासकर युवाओं के भविष्य को अंधकार की ओर धकेल रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में अपनी भागीदारी निभाएं। नशा मुक्ति जागरूकता प्रकोष्ठ एवं तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. मुकेश चहल ने बताया कि नुक्कड़ नाटक के जरिए विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। नाटक में दिखाया गया कि कैसे नशे की लत व्यक्ति को अपराध, आर्थिक तंगी और सामाजिक अलगाव की ओर धकेल देती है। रोड सेफ्टी क्लब की संयोजिका डॉ. प्रेरणा ने कहा कि नशा सड़क दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण है, इसलिए युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनते हुए इससे दूर रहना चाहिए। वहीं यूथ रेड क्रॉस क्लब की संयोजिका डॉ. मीनाक्षी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में सकारात्मक सोच विकसित करते हैं और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने प्रभावशाली प्रस्तुति देते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि नशा जीवन को बर्बाद कर देता है और इससे दूर रहना ही सबसे बड़ा समाधान है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जिला शिक्षा अधिकारी रोहताश वर्मा की माता की रस्म क्रिया प्रार्थना सभा में सैकड़ों लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की

करनाल,29 मार्च (सोनी दुआ): सैक्टर 14 करनाल के कृष्णा मंदिर में

जिला शिक्षा अधिकारी रोहताश वर्मा की माता जी श्रीमती कृष्णा देवी के निधन पर रस्म क्रिया की प्रार्थना सभा में शिक्षा विभाग से जुड़े एवं शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने शोक प्रकट किया। रोहताश वर्मा ने कहा कि माता जी के निधन की अपूर्णीय क्षति है। आज मैं जिस मुकाम पर हु वह माता जी की शिक्षा एवं संस्कारों की देन है। माता जी के निधन की कमी हमेशा खलेगी। मां तो जीवित देवता होती है। माता जी बड़ी विनम्र स्वभाव एवं अध्यात्म प्रवत्ति की थी। माता जी के निधन उपरांत नेत्र दान भी करवाया गया यह एक सकारात्मक पहल है दो व्यक्तियों को रोशनी देने का काम करेगी। रस्म क्रिया के अवसर पर रविंदर वर्मा, डॉ कृष्ण वर्मा, डी ई ई ओ नीलम कुंडू,अधिवक्ता विजयपाल,पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी सुदेश ठुकराल, राजपाल चौधरी,पूर्व डी पी सी उर्वशी विज, बी ई ओ संजीव शर्मा, प्राचार्य मंदीप शर्मा, मीनाक्षी चौधरी, सुधीर अहलावत, दलीप सिंह महला ,दीपक वर्मा,डाईट से मुनीश कुमार, रीना कुमार आदि हरियाणा भर के सैकड़ों शिक्षकगणों ने श्रद्धासुमन शोक प्रकट किया।

सुगनी देवी स्कूल में फन फिल्ड फैमिली डे कार्यक्रम मनाया गया

छोटे बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं अत: अभिभावक एवं शिक्षक उन्हें बहुत ही सजकता के साथ ढालें : पूजा छाबड़ा

लाडवा, 29 मार्च (रामगोपाल): लाडवा के सुगनी देवी आर्य गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रधानाचार्या पूजा छाबड़ा ने बताया कि

स्कूल में फन फिल्ड फैमिली डे कार्यक्रम बहुत धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर छोटे-छोटे बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें उन्होंने अपनी कला और प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। बच्चों ने नृत्य, संगीत और कविता जैसे रंगारंग आयोजनों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कक्षा नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी के बच्चों द्वारा पंजाबी गिद्दा प्रस्तुत किया गया। नन्हे कदमों की कदम ताल सब के मन को बहुत भायी। इसके बाद बाहर से आए बच्चों की प्रतिभा को उभारने के लिए कुछ प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें फैंसी ड्रेस, सोलो डांस, कविता गायन, कलरिंग और फन गेम्स जैसी प्रतियोगिता हई। इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों ने बच्चों की प्रस्तुतियों की खूब सराहना की और स्कूल प्रबंधन को कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी। स्कूल के समस्त स्टाफ ने आए हुए अतिथियों का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया जिससे उत्सव का माहौल और भी उत्साह पूर्ण हो गया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या पूजा छाबड़ा ने कहा कि छोटे बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं अत: अभिभावक एवं शिक्षक उन्हें बहुत ही सजकता के साथ ढालें। उनमें बचपन से ही अच्छे संस्कारों का संचार करें। इसके बाद उन्होंने इस कार्यक्रम में आए सभी अभिभावक और बच्चों का आभार व्यक्त किया।

मीडिया क्रिकेट क्लब टीम ने यूथ क्रिकेट क्लब की टीम को 4 विकेट से किया पराजित

मीडिया क्लब ने यूथ क्रिकेट क्लब टीम को किया लगातार तीसरी बार पराजित

करनाल, 29 मार्च (रविन्द्र): करनाल के पांच सितारा होटल नूर महल के पीछे बने श्री बालाजी किक्रेट एकेडमी के ग्राउंड में मीडिया क्लब व यूथ क्रिकेट क्लब के बीच सीरीज का तीसरा किक्रेट मैच खेला गया इस ट्वेंटी ट्वेंटी ओवर क्रिकेट मैच में यूथ क्रिकेट क्लब ने पहले खेलते हुए अपनी 20 ओवर की पारी में 8 विकेट के नुकसान पर 196 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जबकि दूसरी और इसके जवाब में मीडिया क्लब ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 197 रन बनाकर इस मैच में 4 विकेट से जीत हासिल की । मीडिया क्लब के हरफनमौला खिलाड़ी हरजीत वर्मा ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 70 गेंदों में 12 चोके व 6 छक्के मारते हुए शानदार 134 रन बनाए और वह अंत तक आउट नहीं हुए और मीडिया क्लब की टीम को शानदार जीत दिलाते हुए मैं ऑफ द मैच बने। यूथ क्रिकेट क्लब टीम के कप्तान ने टॉस जीतकर मैच में पहले बैटिंग का निर्णय लिया। टीम ने शानदार प्रदर्शन

करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 196 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया जिसमें खिलाड़ी उमेश ने 59 गेंदों में 12 चोके एवं 3 छक्के लगाते हुए शानदार 99 रना बनाए। मगर इसके जवाब में मीडिया क्लब के खिलाड़ीयों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया और इस विशाल स्कोर को पीछे छोड़ते हुए 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर 197 रन बनाने में सफलता हासिल की और यूथ क्लब को लगातार तीसरी बार मैच में पटखनी दी। इस क्रिकेट मैच में सभी खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा। मीडिया क्लब के खिलाड़ी मनोज गुप्ता ने शानदार गेंदबाजी करते हुए अपने चार ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट एवं हरसिमरन वधवा ने चार ओवर में 30 रन देकर 2 खिलाड़ियों को आउट करने में सफलता हासिल की। मैच में अंकित दाबडा ने भी एक विकेट लेकर यूथ क्रिकेट की टीम को हराने में अपना योगदान दिया। मीडिया क्लब की इस जीत पर मीडिया क्लब अध्यक्ष डा अशोक कुमार ने टीम के सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि इस मैच में सभी खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है और वह सभी बधाई के पात्र हैं और उम्मीद है कि भविष्य में इसी तरह से बेहतरीन प्रदर्शन करते रहेंगे।

गोल्ड लाइफ स्कूल के प्रबंध निदेशक को बेस्ट एमडी ऑफ द ईयर सम्मान

राजौंद, 29 मार्च (नरेश कुमार पुहाल): शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए गोल्ड लाइफ स्कूल के प्रबंध निदेशक जितेन्द्र सिंह को इंडियन स्कूल अवॉर्ड्स द्वारा बेस्ट एमडी ऑफ द ईयर सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान गुरुग्राम के एक पाँच सितारा होटल में आयोजित भव्य समारोह में देशभर के शिक्षाविदों और गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में प्रदान किया गया। गोल्ड लाइफ स्कूल लगातार शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है। यह क्षेत्र का ऐसा विद्यालय बन चुका है जहाँ पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों पर विशेष जोर दिया

जाता है। स्कूल में कोडिंग और रोबोटिक्स जैसे विषयों को बच्चों के लिए अनिवार्य बनाया गया है, जिससे विद्यार्थी भविष्य के लिए पूरी तरह तैयार हो सकें।विद्यालय की सबसे खास उपलब्धियों में से एक है बच्चों को मुफ्त हवाई यात्रा करवाना। इस अनूठे प्रयास के तहत विद्यार्थियों को हवाई यात्रा का अनुभव कराया गया, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उन्हें नई दुनिया को समझने का अवसर मिला। इसके साथ ही, बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को दुबई की शैक्षणिक यात्रा भी करवाई जाएगी। गोल्ड लाइफ स्कूल कैथल जिले का ऐसा विद्यालय है जिसे सबसे अधिक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। यह भारत का पहला ऐसा स्कूल है जिसने बच्चों के लिए पूरी ट्रेन बुक कर शैक्षणिक यात्रा का आयोजन किया, जिसमें आधे से अधिक विद्यार्थियों को यह सुविधा पूर्णत: नि:शुल्क प्रदान की गई। विद्यालय में विद्यार्थियों के समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यहाँ निशुल्क इंग्लिश स्पीकिंग क्लासेस चलाई जाती हैं, जिससे छात्र आत्मविश्वास के साथ संवाद करना सीखते हैं। स्कूल की शिक्षा प्रणाली को समझने के लिए रूस से शिक्षाविद भी यहाँ आ चुके हैं। गोल्ड लाइफ स्कूल के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी अलग पहचान बनाई है। हरियाणा की धरती पर उतरने वाले पहले कमर्शियल विमान के अवसर पर भी स्कूल के छात्रों ने भागीदारी निभाई। साथ ही, भारत के बड़े शैक्षणिक आयोजनों में भाग लेकर विद्यार्थियों ने विदेशी वैज्ञानिकों और इन्वेंटर्स से मुलाकात कर अपने ज्ञान को और विस्तृत किया। यह सम्मान प्रबंध निदेशक की दूरदर्शी सोच, कड़ी मेहनत और शिक्षा के प्रति समर्पण का प्रतीक है। यह पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है और भविष्य में भी गोल्ड लाइफ स्कूल इसी प्रकार शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा।

रणधीर सिंह के एसएचओ नियुक्ति पर कुलदीप ढिल्लों ने दी बधाई, बेहतर कानून व्यवस्था की जताई उम्मीद

कुरुक्षेत्र, 29 मार्च (करणदीप सिंह): जिला कांग्रेस युवा अध्यक्ष कुलदीप ढिल्लों हथीरा ने रणधीर सिंह को सदर थाना पिपली का एसएचओ नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक कदम है, जिससे कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलेगी। कुलदीप ढिल्लों ने कहा कि रणधीर सिंह एक ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ और अनुभवी

अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में सदर थाना पिपली क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण होगा और आम जनता को सुरक्षा का बेहतर माहौल मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज के समय में पुलिस प्रशासन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है और एक सक्षम अधिकारी की नियुक्ति से जनता का भरोसा और भी मजबूत होता है। रणधीर सिंह अपनी कार्यशैली और समर्पण से निश्चित रूप से लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। कुलदीप ढिल्लों ने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि एसएचओ के रूप में रणधीर सिंह न केवल कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करेंगे, बल्कि जनता और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का कार्य भी करेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति, सौहार्द और सुरक्षा बनाए रखने में उनकी भूमिका अहम साबित होगी। अंत में उन्होंने एक बार फिर रणधीर सिंह को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

करन कल्याणा ने नोदी पहलवान को, व मणी कल्याणा ने सुनील पहलवान को चित्त किया

प्राचीन माता मनसा देवी मंदिर टाटकी में लगने वाला एक दिवसीय मेला और कुश्ती-दंगल के साथ धूमधाम से संपन्न

बाबैन, 29 मार्च (राजेश कुमार): प्राचीन माता मनसा देवी मंदिर टाटकी में लगने वाला एक दिवसीय मेला और कुश्ती-दंगल आज धूमधाम से संपन्न हो गया। रेफरी की भूमिका क्षेत्र के जाने माने पहलवान श्यामसुन्दर यारा ने बखूबी निभाई। प्राचीन माता मनसा देवी मंदिर प्रबंधक कमेटी टाटकी ने गांव वालों व समाजसेवियों के सहयोग से सभी पहलवानों को नकद इनाम देकर सम्मानित किया। दंगल में दर्शकों ने भी सभी पहलवानों को नकद इनाम देकर उनका जोरदार उत्साह वर्धन भी किया। इस अवसर सरपंच प्रतिनिधि रणबीर सिंह, अनिल टाटकी, मनीष सैनी, केसर इ्क्षसह, मांगे राम, मोहकम सिह नम्बरदार, बलकार इ्क्षसह सैनी, शिव कुमार, रवि कुमार, फकीर चन्द, लाभ इ्क्षसह, मांगे राम, सुनील कुमार, रामनाथ व पाला राम के अलावा अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्राचीन माता मनसा देवी मंदिर टाटकी में लगने वाले दंगल का शुभारंभ सरपंच एसोसिएशन जिला कुरुक्षेत्र के प्रधान दुनी चन्द टाटका व अनिल टाटकी ने दो पहलवानों नागेन्द्र बाबा अयोध्या व अमन पहलवान उमरी का हाथ मिलाकर किया जिनकी कुश्ती बराबरी पर छुटी। इस अवसर पर भाजपा नेता अनिल टाटकी ने कहा कि ग्रामीण स्तर पर आयोजित होने वाली दंगल प्रतियोगिताओं से ग्रामीण पहलवानों को अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाने का अच्छा मौका मिलता है। कुश्तियों में पहलवानों द्वारा दिखाए जाने वाले करतबों से लोगों का भी खुब मनोरंजन हो जाता है। उन्होंने कहा कि 100 साल से भी ज्यादा समय से माता मनसी देवी के मेले पर टाटकी में लगने वाला यह दंगल क्षेत्र के लोगों के मंनोजरन का भी एक बड़ा साधन बन गया है। उन्होंने युवाओं को आह्वान किया कि वे नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर खेलों को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाकर खेलों में बढ़चढ़ कर भाग ले ताकि वे जीवन में आगे बढ़ सके। इस अवसर पर करन कल्याणा ने नोदी पहलवान को, व मणी कल्याणा ने सुनील पहलवान को चित किया। नागेन्द्र बाबा अयोध्या व अमन उमरी की कुश्ती बराबरी पर रही। इसके अलावा डिम्पल, संदीप चंडीगढ़, मितू चम्मू, दिलशाद सहारनपुर, अमित अबाला, धीरज कालका, चन्नी दुखेड़ी, शमसेर, रामनाथ रामसरन माजरा, कृष्ण सोनीपत, धीरज भादशो, गुल्लु जठलाना, बलजीत अम्बाला, ईशांत दिल्ली के अलावा दूर दराज से आए सैकड़ों पहलवानों ने अपने दमखम दिखाए।

मां जगदम्बा मंदिर में 62वां विशाल मेला 1 अप्रैल को : अमन गुप्ता

बोले : 31 मार्च की रात्रि होगी मां भगवती की चौंकी, कई भजन गायक करेंगे भजन-कीर्तन

तरावड़ी, 29 मार्च (छाया शर्मा): नवरात्रों के पावन अवसर पर शहर के मां जगदम्बा मंदिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 62वें विशाल मेले का भव्य आयोजन किया जा रहा है। जानकारी देते हुए शिव शक्ति इंटर ग्लोब प्रा.लि. तरावड़ी के सी.एम.डी. अमन गुप्ता ने बताया कि जगदम्बा मंदिर परिवार की ओर से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं के लिए मां भगवती की चौकी, भजन-कीर्तन और विशाल भंडारे का विशेष प्रबंध किया गया है। कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार 31 मार्च को रात 8 बजे से मां भगवती की चौकी का आयोजन होगा, जिसमें प्रसिद्ध टी.वी. कलाकार रेशमी साज दिल्ली मां के भजनों का गुणगान करेंगी। इसके बाद बुधवार 1 अप्रैल को सुबह करीब बजे से भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अविनाश जोहर यमुनानगर रोहित हरियाणवी और निशा जांगड़ा सोनीपत अपनी प्रस्तुति देंगे। मेले के दौरान श्रद्धालुओं के लिए मां की सुंदर झांकियां भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। साथ ही 1 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हजारों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। आयोजकों ने शहरवासियों और आसपास के क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे समय पर पहुंचकर मां का आशीर्वाद प्राप्त करें और इस भव्य धार्मिक आयोजन का हिस्सा बनें। यह समस्त कार्यक्रम मां जगदम्बा मंदिर तरावड़ी में आयोजित होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। आयोजक समिति द्वारा सभी व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां की गई हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

राजौंद के वार्ड 7 और 8 की गलियों के नाले से निकाला कचरा बना जी का जंजाल

राजौंद,29 मार्च (नरेश कुमार): शहर के वार्ड नंबर 7 और 8 के निवासियों का जीना मुहाल हो गया है। प्रशासन की %सफाई व्यवस्था%

का आलम यह है कि नालों से गंदगी निकालकर उसे गलियों के बीचों-बीच लावारिस छोड़ दिया गया है। कई दिन बीत जाने के बाद भी इस सड़ांध मारते कचरे का उठान नहीं हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों में भारी रोष व्याप्त है। सफाई कर्मचारियों ने नाले की सफाई कर गाद और कचरा बाहर तो निकाल दिया, लेकिन उसे डोर टू डोर के कर्मचारी ठिकाने लगाना भूल गए। अब यह कचरा सूखकर हवा में जहर घोल रहा है, तो कहीं पैदल चलने वालों के लिए फिसलन का कारण बन रहा है। कारण ये गंदगी के ढेर बिमारियों को दस्तक दे रहें हैं। आलम यह है कि लोगों का अपने घरों के दरवाजे खोलना और सांस लेना तक दूभर हो गया है। रुकी हुई गंदगी पर मच्छरों और मक्खियों का डेरा है, जिससे क्षेत्र में महामारी फैलने का खतरा मंडरा रहा है। आधी बनी गली ये संकरी गलियों में कचरा पड़े होने के कारण दोपहिया वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों रवि , देशराज, देवेंद्र, मनमोहन, हरभजन, गुरनाम सिंह, राजबीर, सागर, मुनेश, आदि का कहना है कि प्रशासन कागजों में स्वच्छ भारत के दावे तो करता है, लेकिन जमीन पर वार्ड 7 और 8 की हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। साथ ही कहा कि नाला साफ करना अच्छी बात है, लेकिन गंदगी को गलियों में छोड़ देना कहां की समझदारी है? सफाई निरीक्षक प्रदीप कुमार और सुगम स्वच्छता ठेकेदार प्रदीप सिंगला ने फोन पर कहा है कि नालों के निकाले गए कचरे का उठान कार्य डोर टू डोर वालों का है। मामला उनके संज्ञान में आया है सुबह इस कचरे को उठा दिया जाएगा।

नहर में पैर फिसलने से बाम्बरेहड़ी का युवक डूबा, तलाश जारी

मूनक, 29 मार्च (जयभगवान): मूनक थाना के गांव बाम्बरेहड़ी का एक 19 वर्षीय युवक नहर में डूब गया। युवक हवन सामग्री की राख डालने के लिए नहर पर गया था, तभी उसका पैर फिसल गया और वह पानी में बह गया। घटना के बाद परिजनों ने मौके पर पहुंचकर तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सुबह से ही एसडीआरएफ की टीमें नहर में सर्च अभियान चला रही हैं, लेकिन अभी तक युवक का पता नहीं चल पाया है। उसके ताऊ सुरेश ने बताया कि उसके छोटे भाई का लड़का मोक्ष जो शाम के समय हवन सामग्री का बचा हुआ समान नहर में डालने के लिए गया इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह नहर में जा गिरा। हादसे के तुरंत बाद परिजन मौके पर पहुंचे और काफी देर तक तलाश करते रहे, लेकिन युवक का कहीं कोई सुराग नहीं मिला।

परिवार पर पहले से ही दुखों का साया - मोक्ष कंबल फैक्ट्री में काम करता था और घर का सहारा था। उसका छोटा भाई 12वीं कक्षा में पढ़ता है और हाल ही में बोर्ड की परीक्षाएं दी हैं। युवक के पिता रमेश अधरंग से पीड़ित हैं, जबकि पांच साल पहले उसकी मां की बिजली का करंट लगने से मौत हो चुकी है। गांव के सरपंच अजय ने बताया कि इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

एसडीआरएफ की टीम कर रही सर्च अभियान - सूचना मिलते ही मूनक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। आज सुबह से एसडीआरएफ की टीमों ने नहर में सर्च अभियान शुरू किया हुआ है, लेकिन देर शाम तक भी युवक का कोई सुराग नहीं लग पाया। परिवार के लोग नहर किनारे बैठे हुए हैं और हर आने-जाने वाले से जानकारी ले रहे हैं। **विधायक ने मौके पर पहुंचकर बंधाया ढांढस** - घटना की जानकारी मिलने पर असंध के विधायक योगेंद्र राणा मार्केट कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण राणा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिवार को सांत्वना दी और अधिकारियों को सर्च अभियान तेज करने के निर्देश दिए। **पुलिस ने शुरू की जांच**थाना प्रभारी बृजपाल का कहना है कि युवक के ताऊ सुरेश की शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल एसडीआरएफ की टीमें लगातार नहर में युवक की तलाश कर रही हैं।

समाज में सेवाभाव के कार्य करना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी : यश सलूजा

तरावड़ी, 29 मार्च (छाया शर्मा): सामाजिक कार्यकर्ता यश सलूजा ने कहा कि शहर में सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों के माध्यम से

सेवाभाव की भावना लगातार मजबूत हो रही है। विभिन्न संस्थाएं मिलकर समाजहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं, जिससे न केवल जरूरतमंदों को सहारा मिल रहा है बल्कि आपसी भाईचारा भी बढ़ रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता यश सलूजा तरावड़ी में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि समाज में सेवा कार्य करना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा सेवा के कार्यों में आगे रहना चाहिए। शहर की संस्थाओं का आभार जताते हुए उन्होंने कहा कि कई संस्थाएं अपने नियमित कार्यों के साथ-साथ समाजसेवा में भी बढ़-चढ़कर योगदान दे रही हैं, जो बेहद सराहनीय है। वहीं, प्रसिद्ध उद्योगपति नरेश अरोड़ा ने भी संस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि तरावड़ी में संस्थाएं एकजुट होकर काम कर रही हैं, जो शहर के विकास के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर आयोजित होने वाले धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम न केवल लोगों के बीच भाईचारा बढ़ाते हैं, बल्कि समाज में सुख-समृद्धि की भावना भी मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह सभी संस्थाएं मिलकर आगे भी समाजहित के कार्य करती रहें, ताकि शहर का वातावरण और अधिक सकारात्मक और प्रेरणादायक बन सके।

बीपीएल परिवारों को मकान मरम्मत के लिए आर्थिक सहायता : उत्तम सिंह

करनाल, 29 मार्च (सुमनलत्ता) : उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि हरियाणा अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा बीपीएल परिवारों को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत मकान मरम्मत के लिए 80 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है। उन्होंने बताया कि अभी तक यह लाभ केवल अनुसूचित जाति के बीपीएल परिवारों को ही दिया जा रहा था लेकिन राज्य सरकार द्वारा योजना में बदलाव के बाद इसमें सभी पात्र बीपीएल परिवारों को लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा योजना के तहत लाभार्थियों का दायरा बढ़ाने के साथ साथ योजना के तहत मिलने वाली राशि को भी 50 हजार से बढ़ाकर 80 हजार किया गया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार की यह आवास नवीनीकरण योजना अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग से संबंधित है तथा बीपीएल सूची में शामिल आवेदकों को इस योजना के लिए पात्र बनाया गया है। उन्होंने योजना के नियम शर्तों की जानकारी देते हुए बताया कि यदि पहले मकान निर्माण के लिए या अपने समय के निर्मित मकान को बनाए हुए दस साल या इससे अधिक समय हो गया हो तथा मकान मरम्मत के योग्य हो तभी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

उन्होंने योजना की पात्रता संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि आवेदनकर्ता हरियाणा का स्थाई निवासी होना चाहिए तथा उसका नाम बीपीएल सूची में दर्ज होना चाहिए। आवेदनकर्ता को अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग से संबंधित है तथा बीपीएल सूची में शामिल आवेदकों को बीपीएल परिवार होने के साथ जाति प्रमाण पत्र दिखाना जरूरी है। आवेदनकर्ता का अपना घर कम से कम 10 साल पुराना होना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रार्थी की परिवार आईडी, बीपीएल राशन कार्ड नंबर, राशन पत्रिका, एससी, बीसी जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, बैंक खाता संख्या, मोबाइल नंबर, घर के साथ फोटो, बिजली बिल, घर की रजिस्ट्री, पानी बिल में से कोई भी दो दस्तावेज , मकान की मरम्मत पर अनुमानित खर्च का प्रमाण जैसे कागजात जरूरी है।

ऐसे करें आवेदन - आवेदक को सबसे पहले (हरियाणाएससीबीसी. जीओवी.इन) से फॉर्म डाउनलोड करके उसे भरना है। उसे सरपंच या फिर पार्षद से सत्यापित करवाना होगा। फॉर्म के साथ में ऊपर बताए गए सभी दस्तावेज लगाने अनिवार्य है। यह फॉर्म नजदीकी सीएससी सेंटर से ऑनलाइन कराएं। तदुपरांत यह फार्म जिला के अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग में जमा कराएं। कोई भी गलत जानकारी न भरें। दस्तावेज की कॉपी साथ लगाएं।

जीवन चानन महिला महाविद्यालय में प्राथमिक चिकित्सा एवं नशा मुक्ति पर जागरुकता कार्यशाला का आयोजन

असंध, 29 मार्च (दलसिह मान): जीवन चानन स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय के प्रांगण में रेड क्रॉस, रेड रिबन और लोक प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण एवं

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को प्राथमिक चिकित्सा, आपदा प्रबंधन और नशा मुक्ति के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की शुरुआत में मिस निधि गाल्याण ने महाविद्यालय पहुँचने पर सभी मुख्य अतिथियों का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित जिला प्रशिक्षण अधिकारी डॉ. राजपाल सिंह रैडक्रॉस करनाल ने नशा मुक्ति पर अपने विचार सांझा किए। उन्होंने छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया और युवा पीढ़ी को इससे दूर रहने का आह्वान किया। डॉ. राजपाल ने जोर देकर कहा कि नशा न केवल स्वास्थ्य को नष्ट करता है, बल्कि परिवार और समाज की नींव को भी खोखला कर देता है। रिटायर्ड जिला प्रशिक्षण अधिकारी एम.एस. धीमान ने डिजास्टर मैनेजमेंट (आपदा प्रबंधन) पर विस्तार से व्याख्यान दिया। उन्होंने छात्राओं को सिखाया कि किसी भी आकस्मिक आपदा या संकट की स्थिति में किस प्रकार धैर्य बनाए रखते हुए खुद को और दूसरों को सुरक्षित निकाला जा सकता है। कुमारी श्वेता देवी ने छात्राओं को फर्स्ट एड की व्यावहारिक ट्रेनिंग दी। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना या किसी आकस्मिक चोट के समय गोल्डन ऑवर में किस तरह प्राथमिक उपचार देकर किसी की जान बचाई जा सकती है। कार्यक्रम का सफल आयोजन डॉ. हेमलता शर्मा की देखरेख में संपन्न हुआ। उन्होंने आए हुए वक्ताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर छात्राओं के सर्वांगीण विकास और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने में सहायक सिद्ध होते हैं। इस अवसर पर के.डी. शर्मा, मनीषा फोगाट, नीतू शेट्टी, रजनी बजाज, कुमारी रीद्धि और सोनिया दुहन सहित अन्य स्टाफ सदस्य और भारी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं।

साढ़े तीन करोड़ की लागत से बनने वाले सामुदायिक केंद्र का शिलान्यास

हलके की तरक्की में बसताड़ा का विशेष योगदान-कल्याण

करनाल, 29 मार्च (प्रवीन कुमार): हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने आज घरौंडा हलका के गांव बसताड़ा में साढ़े तीन करोड़ की लागत से बनने वाले सामुदायिक केंद्र का शिलान्यास किया। इसमें पुस्तकालय भी बनाया जाएगा। इस मौके पर श्री कल्याण ने कहा कि हलके की तरक्की में बसताड़ा गांव का विशेष योगदान है क्योंकि सरकारी कॉलेज, आईटीआई और एसएचजी के ट्रेनिंग सेंटर के लिए यहां की पंचायत ने जमीन उपलब्ध कराई है। इससे पूरे क्षेत्र के युवाओं को फायदा पहुंच रहा है। बसताड़ा पहुंचने पर आज ग्रामीणों द्वारा विधानसभा अध्यक्ष का पगड़ी पहनाकर व पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया गया। तीन एकड़ जमीन में साढ़े तीन करोड़ की लागत से बनने वाले सामुदायिक केंद्र में 470 लोगों के बैठने की क्षमता होगी। पंचायती राज विभाग की ओर से इसका निर्माण कार्य एक साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यहां पार्किंग की भी व्यवस्था की गई है।श्री कल्याण ने कहा कि इसी केंद्र में 30 गुणा 12 फुट आकार की लाइब्रेरी बनाई जाएगी। उन्होंने सुझाव दिया कि निर्माण पूरा होने के बाद सामुदायिक केंद्र का उपयोग व्यावसायिक रूप से किया जाए ताकि पंचायत को आमदनी हो सके। उन्होंने कहा कि उपली-हसनपुर के पास 100 एकड़ जमीन डियर पार्क बनाया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री से मंजूरी मिल चुकी है। किसानों द्वारा जमीन उपलब्ध कराए जाने पर घरौंडा में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की ओर से नए सेक्टर विकसित किए जाएंगे। रिंग रोड व मेडिकल यूनिवर्सिटी चालू होने से क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सरकार के सहयोग से इलाका प्रगति पर है। यह अच्छी बात है कि क्षेत्र में अमन-शांति का माहौल है। वातावरण अच्छा बनाए रखने का भाव हर व्यक्ति में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए काम करना है। हमारी सोच दूरगामी होनी चाहिए। वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को मजबूती से आगे बढ़ा रहे हैं। यह चिंताजनक है कि विश्व में कई देश किसी न किसी रूप में युद्ध में शामिल हैं। भारत की कमान मजबूत हाथों में है। दूसरे देश आज भारत को सम्मान भरी नजरों से देखते हैं। हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश आगे बढ़ रहा है। इस प्लान में क्षेत्र के 15-20 गांवों में सामुदायिक केंद्रों का निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है। लंबित कार्यों को भी जल्द पूरा कराने का प्रयास है। पिछले 11 सालों में हलके के हर गांव में विकास कार्य कराए गए हैं। उनका एक-एक मिनट हलके की तरक्की को समर्पित है। इस मौके पर सरपंच सुरेश फौजी ने गांव में विभिन्न विकास कार्यों के लिए मंजूर की गई राशि की जानकारी दी। साथ ही कहा कि यहां का हर मौजिज व्यक्ति सुरक्षित माहौल को बनाए रखने के प्रति वचनबद्ध है। इस मौके पर एसडीएम राजेश सोनी, बीडीपीओ सोमवीर खटकड़, पंचायती राज विभाग के एक्सईएन नारायण दत्त, एसडीओ जय भगवान, जेइ रमेश, मंडल अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, भाजपा नेता संजय खैंची आदि मौजूद रहे।

माँ भगवती के आशीर्वाद से जीवन में आने वाली सभी बाधाएं स्वयं ही दूर हो जाती है - रोहित शर्मा

बाबैन, 29 मार्च (राजेश कुमार): जालखेडी में गांव की सुख-शांति एंव समृद्धि के लिए समाजसेवी रोहित शर्मा ने माँ भगवती का जागरण करवाने के अलावा भंडारे का आयोजन किया। इस मौके पर श्रद्धालुओं

ने नारियल व चुनरी चढ़ाकर मां दुर्गा के दरबार में शीश नवा कर मां भगवती का आशिर्वाद लिया। इस मौके पर समाजसेवी रोहित शर्मा व समाजसेवी आनंद शर्मा जालखेडी ने ज्योति प्रचंड करके मां मां भगवती के जागरण का शुभारंभ किया। समाजसेवी रोहित शर्मा ने कहा कि मां दुर्गा शक्ति की प्रतीक हैं और हम सब को अपने घर व गांव की सुख, शांति एवं समृद्धि के के लिए मां भगवती की पूजा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मां ने राक्षसों का वध किया था, उसी प्रकार व्यक्ति मां व्यक्ति के भीतर के राक्षस को खत्म कर व्यक्ति को परोपकार के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि नवरात्रों में माँ के नौ रूपों की पूजा की जाती है और महामायी की आराधना सच्चे मन से करने वाले भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग माता में विश्वास रखते है, वे माता के दर से कभी खाली हाथ नहीं लोटते। उन्होंने कहा कि माँ भगवती के आशीर्वाद से जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं और भक्तों को सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती। इस अवसर पर कंबोज जागरण पार्टी द्वारा महामाई की भेंटों की शानदार प्रस्तुति दी गई जिस पर श्रद्धालु झूम उठे। इस मौके पर समाजसेवी आनंद शर्मा जालखेडी, बबलू शर्मा, नंबरदार असोसिएशन के पूर्व जिला अध्यक्ष उपदेश शर्मा, जयपाल पांचाल, रामपाल सैनी, राकेश अग्रवाल, मामचंद प्रजापत, राकेश शर्मा, कमल कुमार, पुरुषोत्तम लाल, मोहित शर्मा, राजेंद्र शर्मा भगवानपुर, महावीर, दिनेश अत्री, आरव, रोहतास, रॉकी, जयपाल, सुखविंदर, नरेंद्र व अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

कला, अभिव्यक्ति एवं बदलाव का माध्यम थिएटर

पाठक जानते होंगे कि रंगमंच(थिएटर)को समाज का दर्पण कहा जाता है, क्योंकि यह केवल मनोरंजन का ही साधन नहीं है, बल्कि यह विचार, संवेदना और सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम है।सच तो यह है कि थिएटर लोगों को सोचने, महसूस करने और बदलाव की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। यह विभिन्न देशों की संस्कृतियों, वहां के लोगों के विचारों और उनके संघर्षों को समझने में सहायता करता है तथा वैश्विक तनाव, युद्ध और सामाजिक विभाजन के दौर में मानवता को जोड़ने वाली कला के रूप में कार्य करता है। साथ ही, यह शिक्षा, साक्षरता, संवाद, सहिष्णुता और शांति को बढ़ावा देता है।सरल शब्दों में कहें तो रंगमंच वह मंच है, जहाँ अभिनय, संवाद, संगीत, नृत्य और भाव-भंगिमाओं के माध्यम से किसी कथा या विचार को जीवंत रूप दिया जाता है। अर्थात् यह साहित्य, कला और समाज का अनूठा संगम है। रंगमंच के महत्व के बारे में समझाते हुए अंग्रेजी भाषा के महान नाटककार विलियम शेक्सपियर ने प्रसिद्ध नाटक ऐज यू लाइक इट में यह बात कही थी कि-सारी दुनिया एक रंगमंच है, और सभी स्त्री-पुरुष केवल पात्र हैं। वास्तव में, इस विचार के माध्यम से शेक्सपियर बताते हैं कि पूरा संसार एक रंगमंच के समान है, जहाँ हर व्यक्ति एक अभिनेता की तरह अपनी-अपनी भूमिकाएँ निभाता है। जीवन के अलग-अलग चरण-बचपन, युवावस्था, प्रौढ़ावस्था और बुढ़ापा-मानो किसी नाटक के विभिन्न दृश्य हैं, जिनमें इंसान समय के अनुसार अपने किरदार बदलता रहता है। इस प्रकार रंगमंच केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि मानव जीवन और समाज का सजीव प्रतिबिंब भी है।

भारतीय रंगमंच के इतिहास की यदि हम यहां पर बात करें तो भारतीय रंगमंच का इतिहास अत्यंत प्राचीन, समृद्ध और बहुआयामी है, जिसकी जड़ें वैदिक काल तक जाती हैं। उस समय यज्ञ, मंत्र, सामगान और धार्मिक अनुष्ठानों में संवाद, अभिनय, संगीत और नृत्य के प्रारंभिक रूप दिखाई देते हैं। इस परंपरा को व्यवस्थित स्वरूप देने का श्रेय भरतमुनि को जाता है, जिन्होंने नाट्य शास्त्र की रचना की। पाठकों को बताता चलूं कि यह ग्रंथ अभिनय (आंगिक, वाचिक, आहार्य, सात्त्विक), रंगमंच संरचना, संगीत, नृत्य और रस सिद्धांत का विस्तृत विवेचन करता है।इसके बाद संस्कृत नाटकों का स्वर्णकाल आया, जिसमें कालिदास, भास और शूद्रक जैसे नाटककारों ने अभिज्ञानशाकुंतलम्, स्वप्नवासवदत्तम् और मृच्छकटिकम् जैसे महान नाटकों की रचना की। वास्तव में, इन रचनाओं में प्रेम, प्रकृति, नीति और मानवीय भावनाओं का सुंदर चित्रण मिलता है।मध्यकाल में रंगमंच(थिएटर) लोकजीवन से जुड़ गया और रामलीला, रासलीला, नौटंकी, यक्षगान और जत्रा जैसे लोकनाट्य विकसित हुए। इसी समय कथकली, कुचिपुड़ी और भरतनाट्यम जैसी नृत्य-नाट्य परंपराएँ भी विकसित हुईं, जिनमें वेशभूषा, मुखाभिनय और मुद्राओं के माध्यम से कथा प्रस्तुत की जाती है।आधुनिक काल में, विशेषकर ब्रिटिश शासन के दौरान, पाश्चात्य रंगशैली का प्रभाव पड़ा। इस दौर में यथार्थवाद, सामाजिक आलोचना और प्रयोगधर्मिता बढ़ी। उल्लेखनीय है कि हबीब तनवीर, विजय तेंदुलकर और गिरीश कर्नाड जैसे रंगकर्मियों ने सामाजिक, राजनीतिक और मानवीय मुद्दों को मंच पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस प्रकार भारतीय रंगमंच ने वैदिक परंपरा से लेकर आधुनिक प्रयोगधर्मी रूप तक लंबी यात्रा तय की है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य रंगमंच और कलाकारों के महत्व को समझाना और बढ़ावा देना है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य क्रमशः रंगमंच कला के प्रति जागरूकता फैलाना, विभिन्न कलाकारों, लेखकों और तकनीकी कर्मियों के योगदान को सम्मान देना, सांस्कृतिक विविधता और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना तथा सामाजिक, राजनीतिक और मानवीय मुद्दों पर संवाद स्थापित करना है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 2025 की थीम-थिएटर और शांति की संस्कृति रखी गई थी।इसका अर्थ है कि थिएटर के माध्यम से शांति, सह-अस्तित्व और संवाद को बढ़ावा देना। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इसका मुख्य फोकस वैश्विक सहभागिता और सांस्कृतिक संवाद पर रहा है। यहां यह भी गौरतलब है कि वर्ष 2026 में विश्व रंगमंच दिवस का 64वाँ आयोजन 25-27 मार्च के बीच लक्जमबर्ग शहर में किया गया। यह आयोजन आइटीआइ के जनरल सेक्रेटेरिएट और लक्ज़मबर्ग सेंटर के सहयोग से थिएटर फेडरेशन के साथ आयोजित किया गया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह कार्यक्रम मंच(प्रदर्शन)कला दिवस के अंतर्गत हुआ और थिएटर फेडरेशन की 30वीं वर्षगांठ भी इसी दौरान मनाई गई। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष का आधिकारिक संदेश प्रसिद्ध अमेरिकी अभिनेता विलेम डेफ़ो द्वारा लिखा गया, जिन्हें चार बार अकादमी अवाड्र्स के लिए नामांकन मिला है तथा वर्ष 2018 में वेनिस फ़िल्म महोत्सव में कोप्पा वोल्पी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पाठकों को बताता चलूं कि आइटीआइ की स्थापना 1948 में हुई थी और इसका मुख्यालय पेरिस में स्थित है। इसके विश्वभर में 85 से अधिक केंद्र हैं। विश्व रंगमंच दिवस पर हर वर्ष एक प्रतिष्ठित कलाकार द्वारा संदेश दिया जाता है तथा वर्ष 1962 में पहला संदेश जीन कोक्टो ने दिया था। वर्ष 2002 में भारत के गिरीश कर्नाड को यह सम्मान मिला,जो महान नाटककार रहे हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह संदेश 50 से अधिक भाषाओं में अनुवादित किया जाता है।कहा जाता है कि महान् कवि/लेखक कालिदास ने 'मेघदूत' की रचना भारत की पहली नाट्यशाला में की थी।

बच्चों को मच्छर जनित रोगों से बचाने के लिए ठोस उपाय करें

मच्छरों से मलेरिया, डेंगू के साथ ही कई अन्य बीमारियां होती हैं, ऐसे में इनसे बचाव किया जाना चाहिये। बुखार बढ़ने के साथ ही जान का भी खतरा रहता है। आजकल मौसम में बदलाव और प्रदूषण बढ़ने से मच्छरों की समस्या और बढ़ गयी है। ऐसे मौसम में मच्छर अधिक होतें हैं जो आपके रातों की नींद ख़राब करने से लेकर आपको बीमार करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। ऐसे में मच्छरों से बचा जाना बहुत जरूरी है, खासकर अगर घर में छोटे बच्चे हों तब क्योंकि, इन मच्छरों के काटने से गंभीर बीमारियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी जो बातें हैं उसका ध्यान जरूर किया जाना चाहिए।

घर को साफ रखें

मच्छर होने का सबसे बड़ा कारण घर में गंदगी की समस्या है, क्योंकि ऐसी जगहों में मच्छर सबसे अधिक पनपते हैं। इसके लिए आप अपने घरों को खासकर, पलंग के निचे, गमले, स्टोर रूम आदि को साफ-सुथरा रखें। साथ ही अगर आपके घर में पेड़-पौधे हों तो उसकी सफाई भी नियमित तौर पर की जानी चाहिए।

कपूर--कपूर न केवल मच्छर भगाने के लिए ठीक माना जाता है, बल्कि इससे संक्रमण का खतरा भी नहीं होता है। इसके लिए आप कपूर स्टैंड में कुछ टुकड़े कपूर के डालकर इसे जला दें। इसके धुंए से मच्छर खुद ब खुद चला जाएगा। ध्यान रहे कपूर को स्टैंड पर डालकर जलाएं ताकि यह एक घंटे तक जल सके।

लहसन और प्याज़ का रस-मच्छर हमेशा तेज़ गंध से भागते हैं इसके लिए आप प्याज और लहसुन को पीसकर इसे छान लें और इसके रस को पानी मिलाकर किसी स्प्रे वाली बोतल से पूरे घर में छिडक दें। कुछ ही देर में मच्छर भाग जायेंगे।

सरसों तेल और अजवाइन-यह नुस्खा भी बेहद कारगर है, क्योंकि इससे मच्छर जल्दी और आसानी से भागते हैं। इसके लिए आप सरसो के तेल में अजवाइन के पाउडर को डालकर जलाएं। इसके धुएं से मच्छर भाग जाते हैं।साथ ही यह शिशु को नुकसान नहीं पहुंचाता है। इसके अलावा, आप नीम का तेल या फिर बाजार में उपलब्ध साधनों का भी प्रयोग कर सकते हैं।

बच्चों के पेट के कीड़ों का करें घरेलू उपाय

बच्चों के पेट में कीड़े होना बेहद आम समस्या है, और लगभग 10 में से 7-8 बच्चों को यह समस्या होती ही है हालाँकि, कुछ समय तक तो यह पता भी नहीं चल पाता कि बच्चे को पेट में कीड़े हुए हैं। यह कीड़े बच्चे को अंदर ही अंदर बहुत परेशान करते हैं लेकिन यदि आप थोड़ी सी सावधानी बरतें, तो इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है, वह भी बिना किसी डॉक्टरी सलाह के।

ऐसे में, हम यहाँ कुछ ऐसी ही घरलू औषधियों के बारे में बता रहें हैं, जिनके प्रयोग से बेहद आसानी से पेट के कीड़ों से मुक्ति पाई जा सकती है। प्याज का रस- प्याज का रस पेट के कीड़ों के लिए बहुत कारगर होता है। सुबह खाली पेट बच्चे को एक प्याज का रस निकाल कर पिलाएं, इससे कीड़े की समस्या से राहत मिलती है।

करेला- करेले का रस भी पेट के कीड़ों के लिए बहुत उपयुक्त होता है लेकिन, इसका सेवन बच्चे शायद न कर पाएं। लेकिन, यदि इस प्रकार की समस्या बड़े लोगों को हो तो वह इसका प्रयोग कर सकते हैं।

हल्दी- सुबह के समय खाली पेट एक चम्मच और बच्चा छोटा हो तो आधी चम्मच हल्दी का गुनगुने पानी के साथ सेवन कराने से पेट के कीड़े मर जाते हैं। कच्ची हल्दी को गुड के साथ मिलाकर गोली बना कर सेवन भी किया जा सकता है।

निम्बू और शहद- नीबू पत्तों के रस को शहद में मिलाकर सुबह खली पेट चाटने से पेट के कीडे जल्दी ही मर जाते हैं।

गुनगुने पानी में नमक का सेवन- यदि गुनगुने पानी में सुबह के समय खाली पेट थोड़ा सा साधारण नमक डालकर सेवन किया जाए तो पेट के कीड़े बहुत जल्दी मरकर बाहर निकल जाते हैं।

टमाटर और काला नमक- टमाटर में एक दो चुटकी काला नमक मिला कर सुबह खाली पेट बच्चे को खिलाएं, इससे कीड़े की समस्या से निजात मिलती है।

लहसुन की चटनी- लहसुन की चटनी भी पेट के कीड़ों में बहुत फायदेमंद होती है। इसके नियमित सेवन से पेट में कीड़े नहीं होते हैं।

28मार्च ईएमएस फीचर

बच्चों के पालन पोषण में सकारात्मक माहौल है जरुरी

बच्चे के जन्म के साथ ही माता-पिता खुशी के साथ ही उससे कई उम्मीदें लगाने लगते हैं। अब सवाल यह उठता है कि बच्चे के विकास के लिए किस प्रकार उसका पालन पोषण किया जाये। इसमें सबसे अहम यह है कि उसे प्राकृतिक तरीके से रहने दें। बच्चों के विकास के लिए घर में बेहतर माहौल बनाना जरुरी है। सकारात्मक माहौल, खुशी का अनुभव उसे आगे बढ़ने की ताकत देता है। बच्चों के पालन-पोषण में एक बड़ी भूमिका निभाता है। आपको सही तरह का माहौल तैयार करना चाहिए, जहां खुशी, प्यार, परवाह और अनुशासन की एक भावना आपके अंदर भी और आपके घर में भी हो। आप अपने बच्चे के लिए सिर्फ इतना कर सकते हैं कि उसे प्यार और सहारा दे सकते हैं। उसके लिए ऐसा प्यार भरा माहौल बनाएं जहां बुद्धि का विकास कुदरती तौर पर हो। एक बच्चा जीवन को बुनियादी रूप में देखता है। इसलिए आप उसके साथ बैठकर जीवन को बिल्कुल नयेपन के साथ देखें, जिस तरह वह देखता है। बहुत से लोग यह मान लेते हैं कि जैसे ही बच्चा पैदा होता है, शिक्षक बनने का समय शुरू हो जाता है। जब एक बच्चा आपके घर में आता है, तो यह शिक्षक बनने का नहीं, सीखने का समय होता है।जरूरी नहीं है कि आपका बच्चा जीवन में वही करे, जो आपने किया। आपके बच्चे को कुछ ऐसा करना चाहिए, जिसके बारे में सोचने की भी आपकी हिम्मत नहीं हुई। तभी यह दुनिया आगे बढ़ेगी और उपयोगी चीजें घटित होंगी।

मानव जाति की एक बुनियादी जिम्मेदारी है, कि वे ऐसा माहौल बनाए जिससे इंसानों की अगली पीढ़ी आपसे और हमसे कम से कम एक कदम आगे हो। यह बहुत ही अहम है कि अगली पीढ़ी थोड़ी और खुशी से, कम डर, कम पक्षपात, कम उलझन, कम नफरत और कम कष्ट के साथ जीवन जिए। हमें इसी लक्ष्य को लेकर चलना चाहिए। अगली पीढ़ी के लिए आपका योगदान यह होना चाहिए कि आप इस दुनिया में कोई बिगड़ैल बच्चा न छोड़ कर जाएं, आप एक ऐसा इंसान छोड़ कर जाएं जो आपसे कम से कम थोड़ा बेहतर हो।

अपने बच्चे की जरूरतों को जानें

कुछ माता-पिता अपने बच्चों को खूब मजबूत बनाने की इच्छा या चाह के चलते उन्हें बहुत ज्यादा कष्ट में डाल देते हैं। वे चाहते हैं कि उनके बच्चे वह बनें जो वे खुद नहीं बन पाए। अपने बच्चों के जरिये अपनी महत्वाकांक्षाएं पूरी करने की कोशिश में कुछ माता-पिता अपने बच्चों के प्रति बहुत सख्त हो जाते हैं। वहीं दूसरे माता-पिता मानते हैं कि वे अपने बच्चों से बहुत प्यार करते हैं और अपने बच्चों को इतना सिर चढ़ा लेते हैं कि उन्हें इस दुनिया में लाचार और बेकार बना देते हैं। यह दोनों ही तरीक सही नहीं हैं।

इसका कारण यह है कि सभी बच्चों पर एक ही नियम लागू नहीं होता। हर बच्चा अलग होता है। यह एक खास विवेक है। इस बारे में कोई सटीक रेखा नहीं खींची जा सकती कि कितना करना है और कितना नहीं करना है। अलग-अलग बच्चों को ध्यान, प्यार और सख्ती के अलग-अलग पैमानों की जरूरत पड़ सकती है।

एक बच्चा अपने अनुभवों से जीवन के बारे में ज्यादा जानता है। वह जीवन है, वह जीवन को जानता है।

उसे अपने तरीके से रहने दें

अगर माता-पिता अपने बच्चों की वाकई परवाह करते हैं, तो उन्हें अपने बच्चों को इस तरह पालना चाहिए कि बच्चे को माता-पिता की कभी जरूरत न हो। प्यार की प्रक्रिया हमेशा आजाद करने वाली प्रक्रिया होनी चाहिए, उलझाने वाली नहीं। इसलिए जब बच्चा पैदा होता है, तो बच्चे को चारों ओर देखने-परखने, प्रकृति के साथ और खुद अपने साथ समय बिताने दें। प्यार और सहयोग का माहौल बनाएं।

जीवन की ओर देखने में उसकी मदद करें, परिवार या आपकी धन-दौलत या किसी और चीज से उसकी पहचान न बनने दें। एक इंसान के रूप में जीवन की ओर देखने में उसकी मदद करना उसकी खुशहाली और दुनिया की खुशहाली के लिए बहुत जरूरी है। यह आपके बच्चे के लिए सबसे अच्छा निवेश होगा अगर आप अपने बच्चे को प्रोत्साहित करें कि वह अपने बारे में सोचना सीखे, उसके लिए क्या बेहतर है यह जानने के लिए अपनी बुद्धि और समझ का इस्तेमाल करना सीखे। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप निश्चिंत रह सकते हैं कि आपका बच्चा सही तरीके से विकसित होगा।

स्क्रीन में सिमटती दुनिया और कमजोर होती बच्चों की नजर

- कांतिलाल मांडोतल

कभी बेंगलूरू जैसे शहरों में सुबह की शुरुआत खुली हवा, पेड़ों की हरियाली और दूर तक फैले मैदानों को निहारते हुए होती थी। आंखें सहज रूप से दूर तक देख लेती थीं, नजरें बिना किसी दबाव के काम करती थीं। लेकिन बीते एक दशक में यह दृश्य तेजी से बदला है। अब बच्चों और किशोरों की दुनिया कुछ इंच की स्क्रीन में सिमट गई है। मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप ने ज्ञान, मनोरंजन और संवाद को बेहद आसान बना दिया है, लेकिन इसी सुविधा की कीमत हमारी आंखें चुका रही हैं। आंखें, जो प्रकृति के हिसाब से दूर देखने और खुले वातावरण में काम करने के लिए बनी हैं, अब लगातार पास की चीजों पर टिके रहने को मजबूर हैं। इसका असर यह हुआ है कि कम उम्र में ही नजर से जुड़ी समस्याएं, खासकर मायोपिया यानी निकट दृष्टि दोष, तेजी से बढ़ रहा है। नेत्र रोग विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल एक व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक उभरता हुआ सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। अत्यधिक स्क्रीन टाइम, शारीरिक सक्रियता की कमी और असंतुलित जीवनशैली ने मिलकर बच्चों की आंखों पर ऐसा दबाव डाला है, जिसकी भरपाई आगे चलकर बेहद मुश्किल हो सकती है। हाल के स्वास्थ्य कार्यक्रमों और अध्ययनों में लाखों बच्चों की जांच के दौरान यह सामने आया है कि दृष्टि संबंधी समस्याएं अब अपवाद नहीं रहीं, बल्कि सामान्य होती जा रही हैं। यह स्थिति इसलिए और चिंताजनक है क्योंकि बच्चों की आंखें अभी विकास की अवस्था में होती हैं और इस दौरान पड़ने वाला नकारात्मक प्रभाव जीवनभर साथ रह सकता है। मायोपिया की समस्या को समझना जरूरी है। जब बच्चा लगातार पास की चीजों, जैसे मोबाइल स्क्रीन या किताब, पर ध्यान केंद्रित करता है तो आंखों की मांसपेशियां उसी स्थिति में ढलने लगती हैं। धीरे-धीरे आंख की संरचना में बदलाव आने लगता है और दूर की वस्तुएं धुंधली दिखाई देने लगती हैं। शुरुआत में यह समस्या हल्की होती है, लेकिन समय के साथ चश्मे का नंबर बढ़ता चला जाता है। कई मामलों में किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते बच्चों को मोटे लेंस लगाने पड़ते हैं। यह केवल देखने की समस्या नहीं है, बल्कि सिरदर्द, आंखों में जलन, थकान और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई जैसी परेशानियां भी साथ आती हैं। स्क्रीन की लत का एक और गंभीर पहलू ड्राई आई सिंड्रोम है, जो पहले वयस्कों में ज्यादा देखा जाता था, लेकिन अब बच्चों में भी आम हो रहा है। जब हम स्क्रीन देखते हैं तो सामान्य से कम पलक झपकाते हैं। इससे आंखों की सतह सूखने लगती है, जलन और लालिमा बढ़ती है। लंबे समय तक ऐसा रहने पर आंखों की प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली कमजोर पड़ सकती है। इसके अलावा, नीली रोशनी का अत्यधिक संपर्क आंखों की रेटिना पर भी नकारात्मक असर डाल सकता है, जिससे भविष्य में गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। इस पूरी तस्वीर में सबसे ज्यादा चिंता की बात शिशुओं और छोटे बच्चों को मोबाइल और टीवी दिखाने की बढ़ती प्रवृत्ति है। कई अभिभावक बच्चे को शांत रखने या व्यस्त रखने के लिए स्क्रीन का सहारा लेते हैं। लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि यह आदत बच्चों के मानसिक, भावनात्मक और दृष्टि विकास तीनों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। शुरुआती वर्षों में बच्चे की आंखें और मस्तिष्क तेजी से विकसित होते हैं। इस दौरान स्क्रीन पर निर्भरता उनके प्राकृतिक सीखने की प्रक्रिया को बाधित करती है। आंखें गहराई, दूरी और गति को पहचानने का अभ्यास नहीं कर पातीं, जो आगे चलकर देखने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है। प्राकृतिक रोशनी की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई अध्ययनों में यह साफ तौर पर सामने आया है कि जो बच्चे रोजाना पर्याप्त समय बाहर धूप में बिताते हैं, उनमें मायोपिया का जोखिम कम होता है। धूप में रहने से शरीर में विटामिन-डी का स्तर बेहतर होता है और आंखों में डोपामाइन का स्राव बढ़ता है, जो आंख की लंबाई को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके विपरीत, बंद कमरों में सीमित रहना और ज्यादातर समय स्क्रीन के सामने बिताना आंखों को उनके प्राकृतिक वातावरण से दूर कर देता है। आज का शहरी जीवन बच्चों को खुले में खेलने से भी वंचित कर रहा है। पढ़ाई का दबाव, सुरक्षा की चिंता और डिजिटल मनोरंजन की उपलब्धता ने खेल के मैदानों को खाली कर दिया है। नतीजा यह है कि बच्चे न सिर्फ शारीरिक रूप से कम सक्रिय हो रहे हैं, बल्कि उनकी आंखों को भी वह राहत नहीं मिल पा रही, जिसकी उन्हें जरूरत है। आंखों के लिए दूर तक देखना एक तरह का व्यायाम है, जो उन्हें स्वस्थ रखता है। जब यह अभ्यास बंद हो जाता है तो आंखें कमजोर पड़ने लगती हैं। दूरगामी परिणामों की बात करें तो यह समस्या केवल चश्मे तक सीमित नहीं रहती। उच्च स्तर का मायोपिया भविष्य में रेटिना डिटैचमेंट, ग्लूकोमा और मैक्युलर डिजनरेशन जैसी गंभीर आंखों की बीमारियों का खतरा बढ़ा सकता है। इसका मतलब है कि जो समस्या बचपन में शुरू होती है, वह वयस्कता में अंधेपन तक का कारण बन सकती है। इसके अलावा, कमजोर नजर का असर बच्चे के आत्मविश्वास, पढ़ाई और सामाजिक व्यवहार पर भी पड़ता है। बार-बार आंखों की थकान और सिरदर्द से जूझता बच्चा पढ़ाई में पिछड़ सकता है और खेलकूद से दूर हो सकता है।

अभिभावकों की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में बेहद अहम है। बच्चों को पूरी तरह तकनीक से दूर रखना संभव नहीं है और न ही यह व्यावहारिक है। लेकिन संतुलन बनाना जरूरी है। स्क्रीन टाइम को सीमित करना, बीच-बीच में आंखों को आराम देना और बच्चों को बाहर खेलने के लिए प्रोत्साहित करना छोटे लेकिन प्रभावी कदम हो सकते हैं। भोजन में हरी सब्जियां, फल और पोषक तत्व शामिल करना भी आंखों की सेहत के लिए जरूरी है। साथ ही, समय-समय पर आंखों की जांच करवाना समस्याओं को शुरुआती चरण में पकड़ने में मदद करता है।

समाज और शिक्षा व्यवस्था को भी इस दिशा में सोचने की जरूरत है। स्कूलों में लंबे समय तक डिजिटल पढ़ाई के बजाय मिश्रित तरीकों को अपनाया जाना चाहिए, जहां स्क्रीन और किताब दोनों का संतुलित उपयोग हो। बच्चों को आंखों की देखभाल के बारे में जागरूक करना और खुले में गतिविधियों के लिए समय निर्धारित करना भविष्य की पीढ़ी की दृष्टि बचाने की दिशा में बड़ा कदम हो सकता है।

देश में युवाओं की सोच और बदलाव से राष्ट्र निर्माण को मिल रही है गति : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

कुरुक्षेत्र, 29 मार्च (सुदेश कुमार): हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं की सोच में बहुत बड़ा बदलाव आया है। इस सोच में हुए परिवर्तन से राष्ट्र निर्माण को गति मिल रही है। इतना ही नहीं मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को दुनिया का सबसे युवा देश बताया है। इस दौरान यमुनानगर के युवा प्रथम बराड़ की सोच ग्रीन व क्लीन भारत को ही समृद्ध भारत कहने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सराहना की है। इसके साथ ही देश के विकास में प्रदेश के युवा भी लगातार तत्पर हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को कुरुक्षेत्र भाजपा जिला कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 132 वां संस्करण सुन रहे थे। इस मौके पर हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी, जिला प्रभारी दीपक शर्मा मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल संरक्षण और जल संचय की अपील करते हुए अलग-अलग हिस्सों के लोगों की कहानी के साथ प्रेरणा दी है, क्योंकि जल ही जीवन है। सरकार ने अमृत सरोवर के माध्यम से बरसाती पानी इकट्ठा करने का अभियान चलाया है। इन अमृतसरोवरों की सफाई करके बरसात के पानी को रोककर भूजल स्तर बढ़ाने का कार्य किया जाएगा। इससे हम अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए पानी मुहैया करवा सकते है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक राज्य में बरसात के पानी को इकट्ठा करके समस्या को निपटने के कार्य, दूसरी जगह बरसाती पानी का संचय करके किसानों द्वारा खेती बढ़ाने जैसे अनूठे उदाहरण देकर जल बचाने के प्रति जागरूक किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रदेश में इस योजना का अधिक से अधिक नागरिकों को लाभ देने के लिए राज्य सरकार की तरफ से अलग से सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। एक लाख 80 हजार से कम आय वाले नागरिकों को दो किलोवाट का सोलर सिस्टम फ्री में दिया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री आग्रह पर कहा कि नागरिकों को शुगर इनटेक पर काम करना चाहिए। इसके तहत अपने खाने में 10 प्रतिशत की कटौती करते हुए मोटापा और बीमारियों को कम करें। इसके साथ ही शिक्षा, खेल, पौधे रोपण, मछली पालन और योग पर जोर दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस कार्यक्रम में सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक महत्व के मुद्दों पर चर्चा की जाती है। सरकार की नीतियों को नागरिकों तक पहुंचाना और उनकी प्रतिक्रिया जानना भी इसका एक महत्वपूर्ण पहलू है। मन की बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आम जनता के बीच संवाद का एक सशक्त माध्यम है। इस कार्यक्रम के जरिए देशभर में हो रहे सकारात्मक प्रयासों, सामाजिक नवाचारों और जनभागीदारी की प्रेरक कहानियों को सामने लाया जाता है, जो समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं और समाज में मेलजोल की भावना को बढ़ावा देती है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सामाजिक मुद्दे जैसे कि स्वच्छता, जल संरक्षण, पर्यावरण, सांस्कृतिक विरासत, शिक्षा, स्वास्थ्य, और सरकार की विभिन्न योजनाएं का भी जिक्र करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर उन व्यक्तियों और समुदायों की प्रेरणादायक कहानियां भी साझा करते हैं जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाए हैं। इस कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर नागरिकों द्वारा भेजे गए विचारों, सुझावों और अनुभवों को भी साझा करते हैं। इसके लिए एक ऑनलाइन पोर्टल माई जीओवी भी बनाया गया है। इस पर नागरिक अपने विचार और सुझाव भेज सकते हैं। कुछ चुनिंदा संदेशों को कार्यक्रम में शामिल भी किया जाता है। मन की बात कार्यक्रम का देश में गहरा प्रभाव पड़ा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधे देश के नागरिकों से जुड़ने का एक अनूठा मंच प्रदान करता है। रेडियो की व्यापक पहुंच के कारण, यह देश के दूर-दराज के क्षेत्रों तक भी पहुंचता है। इस कार्यक्रम में हरियाणा के लोगों की उपलब्धियों का भी अनेक बार जिक्र हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संवाद स्थापित करना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री के विचारों को भारत के आम लोगों तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करते हुए उन्हें तो गर्व महसूस होता ही है। इसके साथ ही दूसरे लोगों को भी लगता है कि हमें भी उनकी तरह मेहनत करनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कार्यक्रम विशेष रूप से युवाओं को नवाचार आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करता है। मन की बात कार्यक्रम न केवल विचारों को दिशा देता है, बल्कि देशवासियों को विकास, सेवा और जिम्मेदारी की भावना के साथ आगे बढने का संदेश भी देता है। इस मौके पर चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर, उपाध्यक्ष धूमन सिंह किरमच, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन, जिप चेयरपर्सन कंवलजीत कौर, भाजपा नेता जयभगवान शर्मा डीडी, भाजपा प्रदेश सचिव राहुल राणा, प्रदेश प्रवक्ता रविंद्र सागवान, महिला जिलाध्यक्ष वंदना गौरी, परमजीत कौर कश्यप, नरेंद्र पाल डाबला, जिला उपाध्यक्ष अनु मालयन , देवी दयाल शर्मा , कार्यालय सह प्रभारी सोमपाल राणा, रमेश सैनी, अमन सैनी, दीपक शर्मा, हन्नू चक्रपाणि, सभी जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष आदि उपस्थित रहे।

हाईवे पर पलटा मशरूम से भरा कैंटर, सुबह-सुबह लगा लंबा जाम

सड़क पर बिखरी पेटियां, हाड्रा की मदद से उठवाया पलटा ट्राला

तरावड़ी, 29 मार्च (छाया शर्मा): दिल्ली-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर शनिवार सुबह करीब पांच बजे एक बड़ा हादसा हो गया, जब मशरूम से भरा कैंटर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। सुबह के समय जब ट्राला चालक तरावड़ी जी.टी. रोड से गुजर रहा था तो वाहन संतुलन खो बैठा और सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद हाईवे पर मशरूम से भरी पेटियां और डिब्बे दूर-दूर तक बिखर गए, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ और मौके पर लंबा जाम लग गया। कैंटर कुरुक्षेत्र से सोनीपत की ओर जा रहा था। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची टीम ने हालात को संभाला और हाइड्रा मशीन की मदद से पलटे हुए कैंटर को सीधा करवाया गया। काफी मशक्कत के बाद वाहन को हटाकर यातायात को सुचारू किया गया। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन वाहन में लदा माल काफी हद तक क्षतिग्रस्त हो गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीएनजी कनेक्शन के लिए करें आवेदन-उत्तम सिंह

करनाल, 29 मार्च (मिनाक्षी): उपायुक्त उत्तम सिंह ने लोगों से अपील की है कि करनाल में सेक्टर चार से नौ, सेक्टर-12, 13, 14 भाग-एक, सेक्टर-16, 32, 35, 36, 45, एलआईसी कॉलोनी, मान कॉलोनी, मॉडल टाउन, न्यू डीसी कॉलोनी, निर्मल विहार, नूरसी विलेज भाग-एक, नूरसी विलेज भाग 2, पालम कॉलोनी, अशोका नर्सरी, डीसी कॉलोनी, दीवान कॉलोनी, करण विहार, रणजीत एन्क्लेव, शक्तिपुरम भाग -एक और भाग दो, प्रेम नगर, राम नगर और वसंत विहार में पीएनजी की पाइप लाइन बिछाई जा चुकी है। इन क्षेत्रों के निवासी शीघ्र पीएनजी कनेक्शन लेकर एलपीजी सिलेंडर लौटाएं। उन्होंने कहा कि पीएनजी कनेक्शन के लिए लिंक पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा आईजीएल ग्राहक सेवा नंबर 8448184015 और 9773980554 के माध्यम से भी नए कनेक्शन के लिए पंजीकरण कराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि पीएनजी की दरें एलपीजी के मुकाबले कम हैं। पीएनजी एक किफायती और टिकाऊ विकल्प है। पीएनजी कनेक्शन लेने के बाद सिलेंडर खत्म होने या बुकिंग कराने का झंझट खत्म हो जाता है। पाइप लाईन के माध्यम से 24 घंटे गैस की निर्बाध आपूर्ति जारी रहती है। यह हल्की होने के कारण रिसाई की स्थिति में तेजी से हवा में फैल जाती है और आग लगने का खतरा न्यूनतम होता है। मीटर रीडिंग के आधार पर ही बिल आता है यानी जितना इस्तेमाल उतना ही भुगतान। उन्होंने बताया कि जिला में एलपीजी की दर 64.96 रुपये प्रति किलोग्राम है जबकि पीएनजी की दर 45.40 प्रति एससीएम है। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि जिला में 50 किलोमीटर की पीएनजी पाइप लाइन और बिछाई जानी है। इसके लिए संबंधित गैस कंपनियों को जल्द कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिन घरों में पीएनजी की फिटिंग पूरी हो चुकी है, वे शीघ्र करवाएं अपना कनेक्शन शुरू : डीएफएससी

कैथल, 29 मार्च (सुरेंद्र कुमार): जिला खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा है कि जिन घरों में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की फिटिंग पूरी हो चुकी है, वे अपनी सिक्योरिटी फीस जमा करवाकर अपना कनेक्शन चालू करवा लें। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक वरिंद्र सिंह ने बताया कि इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड द्वारा जिले में अब तक 33 हजार 396 घरेलू कनेक्शन की फिटिंग की जा चुकी है। इनमें से 10 हजार 617 कनेक्शन सक्रिय हैं, जबकि लगभग 22 हजार 779 उपभोक्ता ऐसे हैं जिनके यहां मीटर लगने के बावजूद गैस का उपयोग शुरू नहीं हुआ है।

विभाग ने इसे गंभीरता से लेते हुए उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि वे अपनी सिक्योरिटी जमा करवाते हुए इसे चालू करवाएं। उन्होंने कहा कि पीएनजी गैस, एलपीजी की तुलना में अधिक किफायती और सुरक्षित है। पीएनजी की कीमत लगभग 56.70 रुपये प्रति किलोग्राम है, जबकि एलपीजी की कीमत 65.30 रुपये प्रति किलोग्राम है। इसके अलावा पीएनजी की सप्लाई 24 घंटे निरंतर उपलब्ध रहती है, जिससे उपभोक्ताओं को सिलेंडर खत्म होने की चिंता नहीं रहती। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा 23 मार्च 2026 को जारी निर्देशों के तहत स्पष्ट किया गया है कि जिन घरों में पीएनजी की सुविधा उपलब्ध है, वहां एलपीजी सप्लाई को चरणबद्ध तरीके से बंद किया जा सकता है। प्रशासन ने आमजन से अनुरोध किया है कि वे नियमों का पालन करें और जल्द से जल्द पीएनजी कनेक्शन को चालू करवाएं। उन्होंने बताया कि पीएनजी कनेक्शन से जुड़ी किसी भी जानकारी या तकनीकी सहायता के लिए उपभोक्ता कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 7428348899 और 7428347799 पर संपर्क कर सकते हैं। उपभोक्ता सुविधा, सुरक्षा और बचत को ध्यान में रखते हुए पीएनजी गैस का उपयोग शुरू करें और सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें।

भाजपा सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों का हो रहा समान रूप से विकास : भगवानदास कबीरपंथी

40 लाख से बनेगा डेरों की तरफ जाने वाला कच्चा रास्ता, विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने किया शिलान्यास

तरावड़ी, 29 मार्च (छाया शर्मा): शहर के विकास को गति देते हुए विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने वार्ड नंबर-9 स्थित दो मूड़ी पीर के पास खेतों और डेरों की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते को पक्का करने के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। इस दौरान लोगों और जनप्रतिनिधियों ने विधायक का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक कबीरपंथी ने कहा कि किसानों को लंबे समय से इस रास्ते की समस्या का सामना करना पड़ रहा था, खासकर बरसात के दिनों में आवाजाही बेहद कठिन हो जाती थी। उन्होंने बताया कि करीब 40 लाख रुपए की लागत से इस रास्ते को पक्का किया जाएगा, जिससे किसानों और क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। विधायक ने सरकार की नीतियों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समान रूप से विकास कार्य करवा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि हर क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं मजबूत हों और आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। इस मौके पर वाइस चेयरमैन राजीव नारंग ने विधायक कबीरपंथी का आभार जताते हुए कहा कि उनके प्रयासों से क्षेत्र में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह रास्ता बनने से किसानों की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा। वहीं भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवम बंसल ने विधायक की सराहना करते हुए कहा कि कबीरपंथी के नेतृत्व में क्षेत्र में विकास की नई दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि विधायक हर वर्ग की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं और उनका समाधान करवाने के लिए तत्पर रहते हैं। इस अवसर पर नगरपालिका चेयरमैन विरेंद्र बंसल, सचिव अजीत कुमार, मार्किट कमेटी चेयरमैन रणदीप चौधरी, पार्षद नरेश गाबा, रणजीत भारद्वाज, रम्मी मल्ली, राजू वधवा, गुरशरण ग्रेवाल, राजू गाबा, दरबारी लाल, नवतेज सिंह मल्ली सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

विधायक योगेन्द्र राणा ने असंध क्षेत्र को दी 4.40 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात

असंध, 29 मार्च (दलसिह मान): असंध के विधायक योगेन्द्र राणा ने शनिवार को क्षेत्र के विभिन्न गाँवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने लगभग 4 करोड़ 39 लाख 59 हजार रुपये की कुल से लागत के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शिलान्यास कर उन्हें ग्रामवासियों को समर्पित किया। कार्यक्रमों के दौरान ग्रामीणों ने विधायक का बुक्के, फूल-मालाओं और पगड़ी पहना कर भव्य स्वागत किया। विधायक ने गांव बाहरी के दो तालाबों के लगभग 3.08 करोड़ रुपये की लागत से हुए तालाब के सौंदर्यीकरण का उद्घाटन किया। साथ ही, लगभग 7.47 लाख रुपये की लागत से खेतों की ओर जाने वाले रास्ते का लोकार्पण किया। गांव गंगा टेहड़ी में शिक्षा को बढ़ावा देते हुए विधायक ने लगभग 37 लाख रुपये की लागत से बने विलेज नॉलेज सेंटर, लगभग 5 लाख की लागत से चिल्ड्रन पार्क और लगभग ?5 लाख की लागत से निर्मित बस क्यू शेल्टर का उद्घाटन किया। गांव जोली खेड़ा में उन्होंने लगभग 16 लाख की लागत से रितोली सड़क से सुभाष टीलू के डेरे तक नवनिर्मित पक्के रास्ते का उद्घाटन कर ग्रामीणों को समर्पित किया। इसके बाद गांव पोपड़ा में लगभग 36.65 लाख की लागत से बनने वाली फिरनी और गुरु ब्रह्मानंद आश्रम में लगभग 5.36 लाख की लागत से बनने वाले लंगर हॉल के निर्माण कार्य का शुभारंभ (शिलान्यास) किया। इस अवसर पर जनसभाओं को संबोधित करते हुए विधायक योगेन्द्र राणा ने विशेष रूप से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन और आशीर्वाद से ही असंध विधानसभा क्षेत्र में विकास की गति निरंतर बनी हुई है। उन्होंने कहा की केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन सरकार हरियाणा एक-हरियाणवी एक के मूल मंत्र पर काम कर रही है और हमारा उद्देश्य हर गांव को शहर जैसी आधुनिक सुविधाओं से जोड़ना है। चाहे वो पक्की सड़कें हों, शिक्षा के केंद्र हों या जल संरक्षण के लिए तालाबों का जीर्णोद्धार, विकास की यह गति रुकने वाली नहीं है। इस अवसर पर सरपंच कुलदीप कुमार (गंगा टेहड़ी), सरपंच प्रति निधि प्रदीप कुमार (जोली खेड़ा), सरपंच राहुल (पोपड़ा) एवं सरपंच पाला राम (बाहरी) की पंचायत सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

विस अध्यक्ष ने सुना पीएम के 'मन की बात कार्यक्रम' बोले-मिलती है प्रेरणादायक जानकारी

घरौंडा, 29 मार्च (नरेन्द्र लाठर): हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने आज बाली नगर घरौंडा

के बूथ नंबर 166 पर नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 132वें एपिसोड को सुना। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे हर महीने के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम को अवश्य सुनें। प्रधानमंत्री श्री मोदी मन की बात कार्यक्रम के तहत देश व समाज हित में हो रहे कार्यों की जानकारी देते हैं। जिनसे जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को इस कार्यक्रम को सुनने के लिए समय निकालना चाहिए। इससे विभिन्न क्षेत्रों में मेहनत, जोश, जज्बे के साथ तरक्की कर रहे लोगों के बारे में पता चलता है। आज घरौंडा के बूथ नंबर 166 पर मन की बात कार्यक्रम सुनने के लिए बड़ी स्क्रीन की व्यवस्था की गई थी। बड़ी संख्या में लोग 11 बजने से पहले ही वहां पहुंच गए थे। कल्याण के अनुसार आज 132वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने जहां वैश्विक स्तर पर चिंता जताई वहीं खाड़ी देशों में भारतीयों की मदद के लिए आभार जताया। मोदी ने अफवाहों से बचने, केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करने की अपील की। श्री कल्याण ने कहा कि कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का जिक्र करते हुए बताया कि यूपी के वाराणसी में एक घंटे में 2 लाख 51 हजार से अधिक पौधे लगाकर लोगों ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया है। प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण के भी कई उदाहरण प्रस्तुत किए। साथ ही फिटनेस व स्वास्थ्य पर ध्यान रखने का आग्रह करते हुए शुगर व तेल की मात्रा पर नियंत्रण रखने की अपील की। बाद में पत्रकारों द्वारा एलपीजी संकट संबंधी एक सवाल पर कहा कि वैश्विक संकट के समय सभी संसाधनों का उचित प्रबंधन जरूरी है। ऐसे समय में जहां प्रशासन को सभी व्यवस्थाएं आगे बढ़ानी चाहिए वहीं समाज को भी किसी प्रकार की अफवाह नहीं फैलानी चाहिए। जरूरत से ज्यादा चीजों का भंडारण करने से भी बचना चाहिए। सरकार द्वारा की गई व्यवस्था का पालन करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही कह चुके हैं कि देश में एलपीजी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। मन की बात कार्यक्रम के बाद कल्याण ने घरौंडा में एक कैफे का भी उद्घाटन किया। इस मौके पर मार्केट कमेटी के चेयरमैन राजकुमार पालीवाल, मंडल अध्यक्ष रोहित भंडारी, पुरूषोतम सेठी, सीमा शर्मा आदि मौजूद रहे।